हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, रविवार, 8 जून , 2025

11 वीर विक्रमादित्य का सांग सिर्फ एक कहानी...

12 द्विुओं ने निर्जला एकादशी पर लगाया सब्जी-पुरी,बूंदी

SURAJ DEGREE COLLEGE
Mahendergarh
Affiliated to IGU, MEERPUR -REWARI
web : www.surajeducation.com

Heartiest Congratulations

Fabulous University **Results** सर्वाधिक मेरिट Toppers TOP-10 MERIT LIST

PRIDE OF SURAJ

!! पूरे विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान

1st B.Sc MED 2nd Sem

UMANG
D/o Mr. Vijay Singh, Kanheti

1st B.Com 3rd Sem

JUHI
D/o Mr. Chanderprakash, Jhagroli

1st B.C.A. 1st Sem

PARV
S/o Mr. Mukesh, Narnaul

1st M.A. ENG 1st Sem

MONIKA
D/o Mr. Naresh Kumar, Satnali

1st B.A 5th Sem

TANNU
D/o Mr. Mukesh, Mahendergarh

1st BCA 3rd Sem

MUSKAN
D/o Mr. Ajit Singh, Luhana

University Rank 2

VAIBHAVI
D/o Mr. Rajesh Bhiwani
M.A. ENG - 1st Sem

University Rank 2

ANJALI
D/o Mr. Ajit Singh Bassai
M.Sc Che 1st Sem

University Rank 2

MANISHA
D/o Mr. Surender Singh Kotia
B.Sc H Phy 4th Sem

University Rank 2

UJALA
D/o Mr. Kuldeep Singh Nangal Harnath
B.A. 5th Sem

University Rank 2

POOJA
D/o Mr. Vikram Kumar Ramalwas
B.B.A. 3rd Sem

University Rank 2

EKTA
D/o Mr. Sujan Singh Deroli Jat
B.C.A. 3rd Sem

University Rank 2

EKTA
D/o Mr. Mehar Chand Khatiwas
B.A. 6th Sem

University Rank 3

NISHANT
S/o Mr. Jai Ram Sharma Maroli
B.C.A. 3rd Sem

University Rank 3

PRIYANSHI
D/o Mr. Ashok Kumar Rewari
M.A. ENG 4th Sem

University Rank 3

ISHA
D/o Mr. Satish Mahendergarh
B.Sc. Life Sciences 1st Sem

University Rank 3

SABNAM
D/o Mr. Mobin Khan Dongra Ahir
M.Sc Phy. 1st Sem

University Rank 3

LAXMI
D/o Mr. Santosh Kumar Kanina
M.Sc. PHY 3rd Sem

University Rank 3

ANGITA
D/o Mr. Arjun Garg Siha
M.A. ENG 3rd Sem

University Rank 3

SNEHA
D/o Mr. Rajesh Kumar Mahendergarh
B.Com. 5th Sem

University Rank 4

PUNAM
D/o Mr. Ashok Kumar Kapoori
B.Com 6th Sem

University Rank 4

MS DEEPIKA
D/o Mr. Kirori Lal Gheeloth
M.Sc Maths 4th Sem

University Rank 4

SNEH
D/o Mr. Mahipal Rasulpur
B.Sc. Med 5th Sem

University Rank 4

PARVEEN
S/o Mr. Devender Kumar Bawania
B.C.A. 3rd Sem

University Rank 4

JYOTI
D/o Mr. Gillu Ram Dewas
M.A. Eng 1st Sem

University Rank 4

SAKSHI
D/o Mr. Bhupender Singh Charkhi Dadri
M.Sc. Geo 1st Sem

University Rank 4

SARITA
D/o Mr. Rohtash Ratta Kalan
M.Sc. Phy 3rd Sem

University Rank 5

SONAM
D/o Mr. Ramesh Kumar Chhithroli
B.Com. 1st Sem

University Rank 5

TAMANNA
D/o Mr. Devender Singh Dhawana
B.A. 1st Sem

University Rank 5

PAYAL
D/o Mr. Anil Kumar Adalpur
B.Sc Life Sciences 1st Sem

University Rank 5

NITESH
S/o Mr. Surender Singh Nahar
M.Sc. Phy 4th Sem

University Rank 5

VANSHIKA
D/o Mr. Suresh Kumar Dalanwas
B.C.A. 3rd Sem

University Rank 5

BHATERI
D/o Mr. Karmbir Nayagaon
M.Sc Phy 3rd Sem

University Rank 6

SAPNA
D/o Mr. Mahipal Yadav Mandlana
M.A. ENG. 1st Sem

University Rank 6

SONIKA
D/o Mr. Satvir Bhagwi
B.Sc. H Phy 6th Sem

University Rank 6

SHIVANI
D/o Mr. Kuldeep Soni Mahendergarh
B.B.A. 2nd Sem

University Rank 6

KOMAL
D/o Mr. Shiv Kumar Nangal Mundi
M.Sc. Geo 4th Sem

University Rank 6

KARISHMA
D/o Mr. Ajit Singh Sihma
B.Sc. Med 5th Sem

University Rank 6

EKTA
D/o Mr. Ramesh Kumar Mundia Khera
M.Sc. Phy 3rd Sem

University Rank 7

ANJALI
D/o Mr. Ajit Singh Bassai
B.Sc. NM 6th Sem

University Rank 7

MUSKAN
D/o Mr. Narender Dhawana
M.Sc. Phy 1st Sem

University Rank 7

SONAM
D/o Mr. Ramesh Kumar Khairana
B.Sc H Che 6th Sem

University Rank 7

SONIYA
D/o Mr. Satyanarayan Majra Khurd
M.Sc. Che 4th Sem

University Rank 7

NEHA
D/o Mr. Chetan Prakash Mahendergarh
B.Sc H Phy 3rd Sem

University Rank 7

BHAWANA
D/o Mr. Chhavi Prakash Nimbi
B.B.A 2nd Sem

University Rank 7

RIYA
D/o Mr. Narendra Kumar Shoramnathpura
B.C.A. 5th Sem

University Rank 7

GAGAN
D/o Mr. Anoop Kumar Bhurjat
B.C.A. 3rd Sem

University Rank 7

KARUNA
D/o Mr. Anand Jhagroli
M.Sc. Phy 3rd Sem

University Rank 7

MONIKA
D/o Mr. Jagram Kherki
M.A. ENG 3rd Sem

University Rank 7

HIMESH
S/o Mr. Virender Luhana
B.Sc. Physical Science 1st Sem

University Rank 8

SONAL YADAV
D/o Mr. Anil Kumar Gadania
B.Sc H Phy 6th Sem

University Rank 8

NARVEER
S/o Mr. Jai Parkash Bawana
M.A. ENG 2nd Sem

University Rank 8

SAKSHI
D/o Mr. Shri Bhagwan Bucholi
B.Sc. Med 6th Sem

University Rank 8

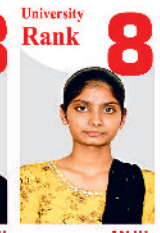

ANJU
D/o Mr. Dinesh Dhana
B.Com 6th Sem

University Rank 8

NIKITA
D/o Mr. Nathu Ram Bharaf
B.A .6th Sem

University Rank 8

SONAM
D/o Mr. Mahesh Jhagroli
B.Sc. Med 4th Sem

University Rank 8

ANURADHA
D/o Mr. Narender Bhojawas
M.Sc Che 3rd Sem

University Rank 8

DEEPIKA
D/o Mr. Sanjay Kumar Mudain
B.Sc. Med 5th Sem

University Rank 8

MANISHA
D/o Mr. Krishan Kumar Bihali
B.Sc H Phy 3rd Sem

University Rank 8

MONIKA
D/o Mr. Bijender Sharma Bassai
M.Sc. Phy 3rd Sem

University Rank 9

REENA
D/o Mr. Amit Kumar Dahina
B.A. 4th Sem

University Rank 9

NIKITA
D/o Mr. Lalit Narain Jasawas
B.Sc. Medical 5th Sem

University Rank 10

VIDHI YADAV
D/o Mr. Sanjay Kumar Dhawana
B.Com 1st Sem

University Rank 10

SUBODH
D/o Mr. Chand Singh Kanina
M.A. ENG 1st Sem

University Rank 10

SHIWANI
D/o Mr. Randhir Singh Adalpur
M.Sc Maths 4th Sem

University Rank 10

MANISHA
D/o Mr. Sanjay Kumar Siha
B.C.A. 3rd Sem

I.G. University **Gold** Medalist B.A.

EKTA
D/o Mr. Mehar Chand, Khatiwas

I.G. University **Gold** Medalist B.Sc Non Medical

NEHA
D/o Mr. Hawa Singh, Bairawas

I.G. University **Gold** Medalist M.Sc Physics

SAPNA
D/o Mr. Ajay Singh, Partal

Admission Open
Apply Now !!

Courses Offered : -

M.Sc. PHYSICS, CHEMISTRY, MATHEMATICS, GEOGRAPHY
M.A. ENGLISH
B.A.
B.Sc. LIFE SCIENCE (Medical), PHYSICAL SCIENCE (Non Medical)
B.Sc. HONOURS PHYSICS, CHEMISTRY, MATHEMATICS
B.B.A. **B.C.A.** **B.Com.** **B.Ed.**

Call | 9991530053, 8607555793

Online Form
Filling Facility is available at College Campus
Sunday Open

Special Scholarship for MERITORIOUS STUDENTS

Transport
Facility Available up to 60 Kms radius of Campus

A.C. Hostel
Facility Available for Girls

खबर संक्षेप

भिवानी। पंडित नेकीराम शर्मा चौक की खस्ताहाल को लेकर विरोध जताते ब्राह्मण समाज के लोग।

पंडित नेकीराम शर्मा चौक की हालात खस्ता

भिवानी। घंटाघर चौक पंडित नेकीराम शर्मा चौक की बिगड़ी हुई हालात को देखकर ब्राह्मण समाज के लोगों ने रोष जताया। रोष जताते हुए ब्राह्मण सभा के जिला अध्यक्ष किशन कौशिक व व्यापार मंडल के प्रधान जेपी कौशिक ने बताया कि शहर के सभी चौकों का सौंदर्यकरण किया, लेकिन स्वतंत्रता सेनानी पंडित नेकीराम शर्मा के नाम से भिवानी में बने चौक का निर्माण नहीं किया जा रहा, जिसकी हालत खस्ताहाल हैं। किशन कौशिक ने बताया कि इसके बारे में जिला प्रशासन को कई बार अवगत करवाया जा चुका है, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने जिला प्रशासन न नगर परिषद को 15 दिन समय देते हुए कहा कि वे समय रहते हुए चौक का सौंदर्यीकरण करें, अन्यथा विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। इस अवसर पर एडवोकेट संदीप, रमेश शर्मा, दीपक शर्मा, दिनेश शर्मा व प्रेम शर्मा आदि उपस्थित रहे।

शिविर में 60 लोगों ने किया रक्तदान

भिवानी। कैंसर से पीड़ित मरीजों की जीवन रक्षा के उद्देश्य से ऑल इंडिया मोबाइल रिटेलर एसो. द्वारा शनिवार को हांसी गेट पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया। शिविर का आयोजन शतकवीर रक्तदाता राजेश डुडेजा की अगुवाई में किया, जिसमें 60 लोगों ने रक्तदान किया, जिन्हे शिविर बैज लगाकर व स्मृति चिह्न लगाकर सम्मानित किया। इस मौके पर एसोसिएशन के प्रधान अंकित महता, हरियाणा जोनल वाईस प्रेजीडेंट दीपक जांगड़ा ने कहा कि कैंसर के इलाज के दौरान विशेषकर कीमोथेरेपी व बोन मैरो ट्रांसप्लांट जैसी प्रक्रियाओं में मरीजों को बार-बार रक्त की आवश्यकता होती है तथा कई समय पर रक्त न मिलने के कारण उन मरीजों को जान तक गवानी पड़ सकती है। रक्तदान शिविर जरूरतमंद मरीजों के लिए वरदान साबित होते है। उन्होंने कहा कि रक्त की उपलब्धता कई बार जरूरतमंद मरीजों की जान बचाने में निर्णायक होती है। रक्तदाता राजेश डुडेजा ने प्रत्येक नागरिक से अपील करते हुए कहा कि नियमित रूप से रक्तदान करें।

चरखी दादरी में नशा तस्करों पर पुलिस का प्रहार

संदिग्धों की तलाश में 7 टीमों में 150 पुलिस कर्मचारी जुटे

शनिवार को समसपुर, जेवली, झोझू कलां, रानीला, बास में पुलिस टीमों ने अलग-अलग स्थानों पर रेड की।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

चरखी दादरी। एक मकान में सर्च अभियान चलाते पुलिसकर्मी। फोटो : हरिभूमि

दादरी में नशीले पदार्थों व नशा तस्करों की तलाश के लिए सर्च अभियान चलाया गया है। पुलिस अधीक्षक ने सभी प्रबंधक अफसरों व पुलिस यूनिट प्रभारियों को अवैध मादक पदार्थों की तस्करी या व्यापार में लिप्त अभियुक्तों को चिन्हित करते हुए उनके विरूद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई किए जाने के निर्देश दिए गए हैं। शनिवार को थानों व पुलिस यूनिटों में पुलिस कर्मचारियों की 7 टीमें बनाई गई, जिनमें 150 पुलिस कर्मचारियों ने भाग लिया। पुलिस टीमों द्वारा मादक पदार्थों व नशा तस्करों की धरपकड़ के लिए अलग-अलग स्थानों पर रेड की गई।

शनिवार को गांव समसपुर, जेवली, झोझू कलां, रानीला, बास में पुलिस टीमों द्वारा अलग-अलग स्थानों पर रेड की गई। शहर व सीआईए शाखा की टीम ने हुड्डा सेक्टर में बनी झुग्गियों की तलाशी ली व स्पेशल स्टाफ ने एमसी कालोनी में बनी झुग्गियों को खंगाला। पुलिस टीम को देखकर असामाजिक तत्व पब्लिक प्लेस से गायब नजर आए। साथ ही सार्वजनिक स्थलों पर अवैध शराब या अन्य कोई नशा करने वालों, संदिग्ध लोगों और अपराधियों की धरपकड़ पर जोर दिया गया। पुलिस ने संदिग्ध दिखने वाले लोगों और आमजन से पूछताछ भी की। पुलिस प्रवक्ता योगेश कुमार ने बताया कि नशीले पदार्थों का सेवन करने वाले व मादक पदार्थों की तस्करी में लिप्त संदिग्ध व्यक्तियों को चिन्हित किया जाकर उनके ठिकानों की तलाशी की जा रही है। पुलिस उनसे पुछताछ कर रही है। यदि कोई व्यक्ति नशीले पदार्थ बेचता पाया गया तो ऐसे लोगों को बख्शा नहीं जाएगा। उनके खिलाफ मादक पदार्थ अधिनियम के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी और उनकी संपत्ति को जब्त किया जाएगा। साथ ही शहर में नशा तस्करी को पूरी तरह से रोकने के लिए पुलिस ने दूसरे राज्यों से जिले में नशा तस्करी करने वालों का डाटा भी जुटाया है।

मोटरसाइकिल चोरी के मामले में युवक गिरफ्तार

चरखी दादरी। पुलिस ने बाइक चोरी मामले में दूसरे आरोपी को काबू कर लिया है। पुलिस प्रवक्ता योगेश कुमार ने बताया कि डोहका दीना निवासी धर्मेंद्र ने पुलिस को बताया कि गांव में ही विजेन्द्र के घर पर आया था। उसने बाइक विजेन्द्र के प्लाट के सामने बाइक खड़ी कर दी। दोपहर लगभग 2 बजे उसने वापिस आकर देखा तो बाइक गायब मिली। काफी तलाश करने पर भी बाइक का सुराग नहीं लगा। पुलिस ने चोरी का मुकदमा दर्ज कर तलाश शुरु की। घटनास्थल पर लगे सीसीटीवी कैमरे चैक किए गए। सीसीटीवी में बाइक चोरी करके ले जाता युवक दिखाई दिया। युवक के बारे में पता करने पर युवक की पहचान अनिल निवासी बिचली जुई के रुप में हुई। शुक्रवार को हेड कांस्टेबल धर्मबीर चौकी अटेला कला ने आरोपी अनिल को काबू कर लिया। पूछताछ में आरोपी अनिल ने बाइक चोरी करना कबूल किया।आरोपी को कोर्ट में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया है।

धमकी देने-फायर करने के मामले में आरोपी दबोचा

चरखी दादरी। पुलिस ने फायरिंग और जान से मारने धमकी देने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। ज्ञात रहे कि गांव बौंद कलां निवासी सुधीर ने पुलिस को शिकायत देते हुए बताया कि ईश्वर ने उसके घर के सामने कुछ युवकों ने पहले गाली गलौज किया और फिर फायरिंग की। कुछ देर बाद उसने हवाई फायरिंग कर दी। इसके बाद उसने घर के अंदर से सुधीर और उसके भाई संजय व अशोक को जान से मारने की धमकी दी। सुधीर ने बताया कि उसे व उसके परिवार को जान का खतरा बना हुआ है। बौंद कलां पुलिस आरोपी ईश्वर उर्फ मिंटू को गिरफ्तार किया। आरोपी से वारदात में प्रयोग किया अवैध देशी कट्टा व दो खाली खोल बरामद किए हैं। आरोपी को कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया है।

भिवानी। कर्मचारियों की मीटिंग को संबोधित करते वक्ता। फोटो : हरिभूमि

एचकेआरएन कर्मचारियों का कांट्रेक्ट घटाने पर जताया रोष

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

- नौ जुलाई की राष्ट्रव्यापी हड़ताल में प्रदेशभर का तमाम कर्मचारी लेगा भाग : सूरजभान

देवसर चुंगी स्थित मैन डिस्पोजल में शनिवार को हरियाणा गवर्मेंट पीडब्लयूडी मैकेनिकल वर्कर्ज यूनियन संबंधित सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा की मीटिंग का आयोजन किया। मीटिंग की अध्यक्षता जिला प्रधान अनिल कुमार बागड़ी ने की तथा मंच का संचालन ब्रांच सचिव प्रवीण कुमार ने किया। मीटिंग में पीडब्ल्यूडी कर्मचारियों के हितों को लेकर सरकार द्वारा बरती जा रहे लापरवाह पूर्ण रवैये के खिलाफ नौ जुलाई को होने वाली राष्ट्रव्यापी हड़ताल में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया।

राज्य उपप्रधान सूरजभान जटासरा ने कहा कि प्रदेश सरकार पीडब्ल्यूडी कर्मचारियों के हितों को लेकर लगातार अनदेखी बरत रही है। उन्होंने कहा कि सरकार जॉब सिक्योरिटी देने के नाम खूब वाहवाही बटोर रही है, वहीं दूसरी तरफ एचकेआरएन के तहत लगे कर्मचारियों को पक्का करने की बजाय उनका सालाना कांट्रेक्ट भी घटाकर मात्र तीन महीने का कर रही है, जिसके चलते कर्मचारी वर्ग में भारी रोष है। उन्होंने कहा कि सरकार को चाहिए कि एचकेआरएन के तहत लगे कर्मचारियों को पक्का करे, ताकि उनका व उनके बच्चों का भविष्य सुरक्षित रह सकें। जटासरा ने कहा कि कच्चे कर्मचारियों को पक्का करना, हरियाणा का अलग से वेतन आयोग गठित करने, पुरानी पेंशन बहाल करने सहित अन्य मांगों को लेकर प्रदेश भर का तमाम कर्मचारी 9 जुलाई को होने वाली राष्ट्रव्यापी हड़ताल में बढ़-चढ़कर भाग लेगा तथा सरकार तक अपनी मांग पहुंचाने का काम करेगा। उन्होंने चेतावनी दी कि सरकार ने कर्मचारियों की मांगें नहीं मानी तो बड़ा आंदोलन करने पर मजबूर होंगे।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर ब्रांच कार्यवाहक प्रधान सुंदर हालुवास, कोषाध्यक्ष विजेंद्र शर्मा, गुरवचन, रविंद्र हालुवास, सुरेंद्र सैनी, विरेंद्र, दलबीर, कुलदीप, दीपक बागड़ी, सतीश आदि मौजूद रहे।

फिर लगे पारे को पंख, तीन डिग्री बढ़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

- एक सप्ताह सुस्ताने के बाद पारे ने संभाला होंस, चला झुलसाने वाले बिंदू की ओर
- 35 डिग्री सेल्सियस से 38 पर पहुंचा, सड़कें दिखीं विरान

पिछले एक सप्ताह से बारिश व बूंदाबांदी की वजह से पारे को नकेल लगी हुई थी,लेकिन शनिवार को अचानक पारे को पंख लग गए। आसमान से बादल छंटने के बाद सूर्यदेव की चुभने वाली तपिश रही। अन्य दिनों की अपेक्षा आज ज्यादा गर्मी महसूस की गई। चूंकि पिछले कई दिनों से पारा 35 डिग्री सेल्सियस के आसपास चल रहा था,लेकिन आज आसमान से बादल छंटने के बाद एकदम पारे ने तीन डिग्री सेल्सियस छलांगा मारी। जिस वजह से लोग गर्मी की वजह से बेहाल नजर आए। लोग दिनभर कूलर व पंखों के आगे बैठे नजर आए।

वहीं तेज गर्मी से खरीफ फसलें भी मुरझाई सी नजर आई। सुबह जब लोग सोकर उठे तो उस वक्त आसमान में हलकी बादलवाई थी। दिन चढने के साथ साथ बादल भी छटने लगे। उसके बाद तेज धूप खिलने लगी। सुबह सवेरे तो लोगों को लगा कि अन्य दिनों की तरह आसमान में बादलवाई छा जाएगी,लेकिन पूरे दिन आसमान में बादलों का नामोनिशान ही दिखा। पूरे दिन चटक धूप खिली रही। हालांकि बीच बीच में धीमी गति से हवा चली,लेकिन दिन भर सूर्य देव की तपिश की वजह से पारा 38 डिग्री सेल्सियस के आंकड़े को पार कर गया। जिसके चलते लोग गर्मी से तिलमिलाते देखे गए।

फसलों में आई रौनक

पिछले कई दिनों से हलकी बूंदाबांदी होती रही। जिसकी वजह से फसलों की जान में जान आ गई,लेकिन सप्ताह तक तेज धूप नहीं खिली। जिस वजह से फसलों पर ज्यादा रौनक नहीं थी। आज धूप खिलने के बाद फसलों पर रौनक सी दिखने लगी। क्योंकि भूमि में नमी के साथ साथ धूप की भी जरूरत होती है। आज धूप खिलने से कपास, ज्वार व बाजरे की फसल में रौनक दिखी। बाजरे के पौधों में अच्छी खासा फुटाव दिखा। अगर फसलों में ज्यादा फुटाव होगा तो उनकी औसतन पैदावार भी बढ़ेगी। फिलहाल जिस हिसाब का मौसम का मिजाज बना है। उससे फसलों में फायदा होना लाजिमी है। तेज धूप की वजह से फसल मुरझाने तो लगी,लेकिन पर्याप्त नमी की वजह से फसलों में फायदा होना लाजिमी है।

पर्यावरण को शुद्ध रखने के लिए पेड़ लगाएं: ऋषिपाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बाढड़ा

- पौधरोपण पर्यावरण संरक्षण का सबसे महत्वपूर्ण और सटीक उपाय
- प्रदूषण के कारण मनुष्य प्रतिदिन गंभीर आ रहा है बीमारियों की चपेट में

पर्यावरण संरक्षण को लेकर हम सब को वृक्षारोपण पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। पर्यावरण को शुद्ध तभी बनाया जा सकता है जब हम पौधरोपण करेंगे। पौधरोपण पर्यावरण संरक्षण का सबसे महत्वपूर्ण और सटीक उपाय है। हर व्यक्ति को ये समझना होगा कि जब पर्यावरण स्वच्छ रहेगा। तब ही धरती पर जीवन संभव है।

यह बात जजपा जिला प्रभारी ऋषिपाल उमरवास ने पार्टी कार्यालय मे पदाधिकारियो को संबोधित करते हुए पर्यावरण संरक्षण अभियान मे पेड़ लगाने का आह्वान किया। प्रदूषण के कारण मनुष्य प्रतिदिन गंभीर बीमारियों की चपेट में आ रहे है। पर्यावरण को शुद्ध करने के लिए हमें अधिक से अधिक पौधरोपण करना होगा, पर्यावरण में बढ़ता हुआ प्रदूषण का स्तर हम सब के लिए चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को पर्यावरण संरक्षण को लेकर अपने जीवन में अपने जन्म दिन पर, पूर्वजों की याद में और शुभ अवसरो पर पौधरोपण करना चाहिए। ऋषिपाल उमरवास ने कहा कि पौधरोपण के लिए बरसात का समय सबसे ज्यादा उपयोगी माना गया है जब तक धरती पर पेड़ पौधे रहेंगे तब तक मानव जीवन सुरक्षित रहेगा, पेड़ों के बिना हमें जीवन दायिनी आ1सीजन नहीं मिलती, और पेड़ों के बिना बरसात भी सम्भव नहीं है। पौधे बरसात लाने में सहायक होते हैं। ऋषिपाल उमरवास ने पेड़ लगाने का आहवान करते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को पर्यावरण संरक्षण में अधिक से अधिक पौधरोपण कर दूसरे लोगों को भी पौधरोपण के लिए प्रेरित करना चाहिए। लोगो मे पर्यावरण जागरूकता को जन अभियान बनाने की जरूरत है तभी पर्यावरण संरक्षण की तरफ मजबूती से बढ़ा जा सकता है। पेड़ पौधे धरती माता का श्रृंगार हैं। पेड़ों के बिना जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती है।

ये रहे मौजूद

इस दौरान हल्का प्रधान विजय श्योराण, राजेंद्र हुई,सुनील चांदवास, संजय जगरामबास, संदीप सिरसली, सुखवंत बेरला, धर्मबीर फौगाट, दीपेश कारी सहित उपस्थित रहे।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने की सफाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| लोहारू

भिवानी। श्रीपंचमुखी हनुमान मंदिर में पौधारोपण करते हुए भाजपा कार्यकर्ता व गणमान्य लोग। फोटो : हरिभूमि

भाजपा सरकार के कार्यकाल के 11 वर्ष पूर्ण होने पर भाजपा द्वारा चलाए जा रहे सुशासन अभियान की कड़ी में शनिवार को नगर पालिका चेयरमैन प्रदीप तायल और भाजपा मंडल अध्यक्ष रोहताश चौहान के नेतृत्व में शहर धार्मिक स्थलों पर पौधरोपण और सफाई अभियान चलाया, जिसके तहत शहर के अनाज मंडी स्थित शीतला माता मंदिर और श्रीपंचमुखी हनुमान मंदिर परिसर में सफाई अभियान चलाया और पौधरोपण किया।

चेयरमैन तायल व चौहान ने कहा कि केंद्रीय भाजपा सरकार ने सुशासन के 11 वर्ष पूर्ण किए हैं। केंद्र के साथ साथ प्रदेश में भाजपा सरकार की तीसरी पारी चल रही है। भाजपा के 11 वर्षों के सुशासन को लेकर 5 जून से आगामी 15 अगस्त तक देशभर में जन सरोकार से जुड़े अभियान चलाए जाएंगे। उन्होंने शनिवार को भाजपा कार्यकर्ता कृष्ण टीकेवाला, पार्षद अशोक सैनी, सुभाष सैनी, नरेश कुमार, सोनू , पंडित अक्षय शास्त्री के मौजूदगी में श्री पंचमुखी हनुमान मंदिर में बड़ का पेड़ लगाकर पौधारोपण अभियान की शुरुआत की। प्रदीप तायल ने बताया कि संकल्प से सिद्धी तक चलाए जा रहे अभियान के तहत आगामी सीजन के दौरान दो हजार पौधें लगाएं जाएंगे, जिसकी शुरुआत कर दी गई है।

थाना प्रभारी ने थाना प्रांगण में किया पौधारोपण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बवानीखेड़ा

बवानी खेड़ा थाना प्रभारी शिव कुमार सैनी द्वारा स्टाफ संग मिलकर थाना प्रांगण में पौधारोपण किया। उन्होंने स्टाफ संग मिलकर भिन्न-भिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए और बताया कि हमें समय समय पर पौधारोपण करना चाहिए ताकि पर्यावरण सुरक्षित रह सके।

नहीं चेते तो भुगतने होंगे परिणाम : उन्होंने बताया कि यदि समय रहते हम नहीं चेते और पर्यावरण की सुध नहीं ली तो वह दिन दूर नहीं जब सांस लेने के लिए भी सिलेंडर पीठ पर बांधकर घर से बाहर निकलना होगा और हमारी आने वाली पीढ़ी हमें इस काम के लिए कभी माफ नहीं कर पाएगी। इसलिए समय को समझते हुए पौधारोपण कर उस पौधे को खाद-पानी देकर सींचना है। वहीं उनके स्टाफ ने भी उनके साथ पौधा रोपण किया।

बवानीखेड़ा। बवानी खेड़ा थाना प्रभारी शिव कुमार सैनी द्वारा स्टाफ संग मिलकर थाना प्रांगण में पौधरोपण करते हुए। फोटो : हरिभूमि

भिवानी। हनुमान जोहड़ी मंदिर परिसर में पौधारोपण करते हुए।

पर्यावरण संरक्षण पखवाड़ा: उपायुक्त ने हनुमान जोहड़ी मंदिर में लगाया पौधा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

- युवाओं व नागरिकों को अधिक से अधिक पौधारोपण करने के लिए प्रेरित भी किया जाएगा

युवा जागृति एवं जनकल्याण मिशन ट्रस्ट द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शुरू किए गए पर्यावरण संरक्षण पखवाड़े के तहत हनुमान ढ़ाणी स्थित हनुमान जोहड़ी मंदिर में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर बतौर मुख्यातिथि भिवानी के उपायुक्त महाबीर कौशिक ने शिरकत की तथा सान्निध्य हनुमान जोहड़ी मंदिर के महंत बालयोगी चरणदास का रहा। यह जानकारी समाजसेवी रमेश सैनी व संजय शर्मा ने दी।

पौधारोपण करने उपरांत उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए उपायुक्त महाबीर कौशिक ने कहा कि पेड़ों की अंधाधुंध कटाई की वजह से पर्यावरण का संतुलन दिन प्रतिदिन बिगड़ता जा रहा है। परिणाम स्वरूप कहीं पर असमय अत्यधिक बारिश या बादल फटने से बाढ़ के हालात बनते हैं तो कहीं पर सूखा या अकाल पड़ता है। हम सभी ग्लोबल वार्मिंग से जूझ रहे हैं। पर्यावरण को बचाने के लिए अधिक से अधिक पेड़ लगाने होंगे। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण को लेकर प्रत्येक व्यक्ति को जागरूक होना होगा। उन्होंने कहा कि पौधारोपण के साथ-साथ उनका पालन पोषण भी जरूरी है। बालयोगी महंत चरणदास महाराज ने कहा कि बढ़ते पर्यावरण प्रदूषण पर लगाम लगाने के उद्देश्य से पर्यावरण संरक्षण पखवाड़े की शुरूआत की गई है।

जिसके तहत 1100 पौधों का रोपण किया जाएगा। जिसके तत विभिन्न शिक्षण संस्थानों सहित विभिन्न सार्वजनिक स्थानों पर युवाओं व नागरिकों को अधिक से अधिक पौधारोपण करने के लिए प्रेरित भी किया जाएगा। उन्होंने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस पर हम सभी को यह संकल्प लेना चाहिए कि पर्यावरण के संरक्षण एवं संवर्धन में अपनी भूमिका निभाएंगे। इस अवसर पर पर्यावरण प्रहरी विजय सिंहमार, सरदार रोशन सिंह, हरीश शांडिल्य, मोनू परमार, प्रवीण वत्स, कृष्ण भारद्वाज, अनिल कौशिक, मोहित सैनी सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

स्वामी कृष्णानंद ने प्रवचनों से किया निहाल

जीवन के सत्य व आत्म कल्याण की ओर मार्गदर्शन करते गुरु

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

- आज के युग में भौतिकता के बीच आध्यात्मिकता की ओर लौटना आवश्यक

तपोभूमि परमहंस योगाश्रम धाम में आध्यात्मिक उल्लास और श्रद्धा के माहौल में आयोजित श्रीश्री 1008 स्वामी भास्करानंद परमहंस की पुण्यस्मृति के उपलक्ष्य में 30वें वार्षिक महोत्सव का समापन शनिवार को महायज्ञ के साथ हुआ। स्वामी कृष्णानंद महाराज के सान्निध्य में आयोजित समारोह में सैंकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया और धर्म, संस्कृति तथा गुरू भक्ति की भावना से ओत-प्रोत वातावरण में यज्ञाहुतियां अर्पित की।

महोत्सव के अंतिम दिन परम पूज्य संत कृष्णानंद महाराज ने भक्तों को संबोधित करते हुए गुरु के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि जीवन में गुरु का स्थान ईश्वर से भी ऊपर होता है, क्योंकि गुरु ही वह माध्यम है जो मन को अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाता है। स्वामी कृष्णानंद ने कहा कि आज के युग में भौतिकता के बीच आध्यात्मिकता की ओर लौटना आवश्यक है और गुरु ही वह प्रकाश स्तंभ हैं, जो हमें जीवन के सत्य और आत्मकल्याण की ओर मार्गदर्शन करते हैं। समापन कार्यक्रम में भजन संध्या, सत्संग, और प्रसाद वितरण का भी आयोजन हुआ। यज्ञ के दौरान श्रद्धालुओं ने सुख, समृद्धि और विश्व शांति के लिए आहुति दी। आयोजकों के अनुसार यह महोत्सव आने वाली पीढ़ियों के लिए एक आध्यात्मिक धरोहर की तरह कार्य करेगा। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों से आए श्रद्धालुओं ने भाग लिया और गुरु-भक्ति की भावना से ओतप्रोत वातावरण में महोत्सव का आनंद उठाया।

खबर संक्षेप

जीवन कौशल विकसित करने के लिए समर कैंप

भिवानी। राजकीय वमा विद्यालय तिगड़ाना की प्राचार्या वंदना महता ने बताया कि स्कूल की छुट्टियों के साथ ही बच्चों में आत्मविश्वास और जीवन कौशल को विकसित करने के लिए समर कैंप का आयोजन किया। कैंप के आयोजन से बच्चों में प्राकृतिक वातावरण में सीखने और स्वयं को अंकुरित करने की एक नई परंपरा की शुरुआत हुई है। प्राचार्या महता ने बताया कि कैंप की दिनचर्या योग से शुरू होती है, जिससे बच्चों को मानसिक और शारीरिक संतुलन सिखाया जा रहा है। महता ने बताया कि किताबी पढ़ाई से हटकर बहुत सी ऐसी चीजें हैं, जिन्हें बच्चों को जानने की जरूरत है।

किसानों के शोषण करने में लगी है भाजपा सरकार

भिवानी। स्वयं को किसान हितैषी करने वाली प्रदेश की भाजपा सरकार किसान विरोधी है। उसने किसानों से सदैव वायदा खिलाफी की है। किसी न किसी बहाने से किसानों का शोषण किया जा रहा है, फसलों का एमएसपी मिलना तो दूर किसानों को डीएपी खाद तब ब्लैक में खरीदनी पड़ रही है। यह आरोप महिला कांग्रेस की पूर्व प्रदेश महासचिव सविता मान ने यहां जारी एक बयान में कही।

आयुष्मान योजना से पांच बीमारी को हटाने का विरोध

भिवानी। सरकार द्वारा केंद्र सरकार की आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत पांच प्रमुख बीमारियों को सूची से हटाने के फैसले पर जननायक जनता पार्टी ने रोष जताते हुए इसे आर्थिक तौर पर कमजोर परिवार के स्वास्थ्य अधिकारों पर सीधा प्रहार बताया है। जननायक जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष जितेंद्र शर्मा ने कहा कि मोतियाबिंद का ऑपरेशन, बच्चेदानी का ऑपरेशन, दूरबीन से पित की थैली का ऑपरेशन, उल्टी-दस्त की बीमारी व सास संबंधित बीमारियों के निःशुल्क उपचार को आयुष्मान योजना की सूची से हटा दिया गया है। जिसके बाद अब बीमारियों के मरीजों को निजी अस्पतालों में उपचार के लिए अधिक आर्थिक बोझ उठाना पड़ेगा।

बेटी ने जन्मदिन पर किया पौधरोपण

भिवानी। आजकल बच्चे जन्मदिन पर पार्टी और उपहार की मांग करते हैं, वहीं भिवानी निवासी कमल की पुत्री सुमन ने त्रिवेणी बाबा की प्रेरणा से प्रेरित होकर पर्यावरण प्रहरी हवलदार लोकराम नेहरा की अगुवाई में अपने जन्मदिन को खास बनाने के लिए अनोखा कदम उठाया। उसने केक काटने और मौज-मस्ती की जगह पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया तथा सब्जीमंडी के सामने हनुमान मंदिर में त्रिवेणी रोपित कर जन्मदिन मनाया। पर्यावरण प्रहरी हवलदार लोकराम नेहरा कहा कि हम सब मिलकर धरती को हरा-भरा बना सकते हैं, अगर हर बच्चा अपने जन्मदिन पर एक पौधा लगाए तो यह धरती फिर से सांस ले सकेगी। इस दौर में छोटे बच्चों की अपने जन्मदिन या किसी अन्य अवसर पर पर्यावरण संरक्षण की पहल बड़े बदलाव की शुरुआत बन सकती है।

गांव उमरावत में 11 दिवसीय सांग महोत्सव का हुआ आगाज, गूंजा वीर रस

वीर विक्रमादित्य का सांग सिर्फ एक कहानी नहीं, बल्कि आदर्श

मंच पर ढोलक और नगाड़ों की थाप पड़ी, पूरा माहौल एक वीरगाथा की जीवंत झांकी में बदल गया।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

म्हारी संस्कृति म्हारा स्वामिमान संगठन एवं हरियाणा कला परिषद रोहतक मंडल के तत्वावधान में म्हारी संस्कृति म्हारा स्वाभिमान संगठन का स्थापना दिवस एवं महान सांगी पंडित जय नारायण शर्मा की याद में 11 दिवसीय सांग महोत्सव का शुभारंभ शनिवार से गांव उमरावत स्थित दादा लखमीचंद सांस्कृतिक भवन में हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष हनुमान कौशिक ने की। शनिवार को कवि शिरोमणी दादा मांगेराम द्वारा रचित सांग वीर विक्रमादित्य का सांग सोमनाथ त्यागी द्वारा किया गया। जैसे ही मंच पर ढोलक और नगाड़ों की थाप पड़ी, पूरा माहौल एक वीरगाथा की जीवंत झांकी में बदल गया। प्रस्तुति के दौरान दादा मांगेराम की ओजपूर्ण वाणी और भावनात्मक अभिव्यक्ति ने बुजुर्गों को युवाओं को प्रेरणा से भर दिया। गांव पुर ने संगठन के अध्यक्ष हनुमान कौशिक को पगड़ी पहनाकर तथा सुप्रसिद्ध सांगी पंडित जयनारायण की स्मृति चिह्न से सम्मानित किया।

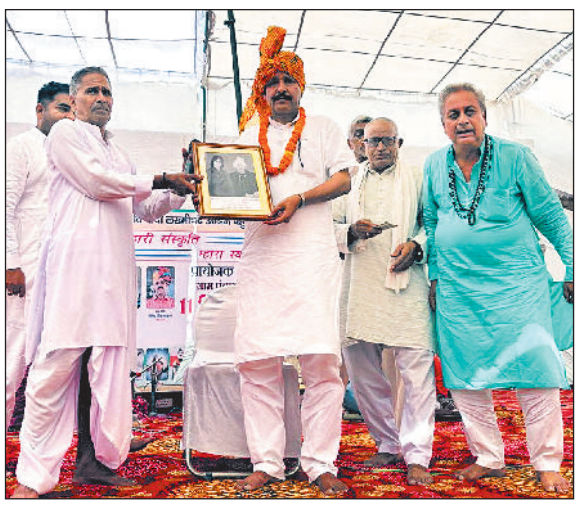

भिवानी। गांव में सांग कार्यक्रम का शुभारंभ करवाते हुए। फोटो: हरिभूमि

मौजूद रहे

इस अवसर पर आश्रम निर्माण कमेटी अध्यक्ष सरपंच दिनेश कौशिक, घनश्याम भांजा, लीला, ओमल, लक्ष्मी दत्त ,नारायण, बजरंग सरपंच ,नरेश कौशिक मंडाना, जनक बापोड़ा सहित विशेष रूप से गांव पुर, सिवाड़ा, बवानीखेड़ा, बडेसरा गांव सहित अनेक संस्कृति प्रेमी मौजूद रहे।

इस मौके पर संगठन के अध्यक्ष हनुमान कौशिक ने कहा कि हमारी लोक संस्कृति में वीरों की कहानियां आज भी जिंदा हैं, बस उन्हें मंच देकर अगली पीढ़ी तक पहुंचाना हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि वीर विक्रमादित्य का सांग सिर्फ एक कहानी नहीं, एक आदर्श है। उन्होंने कहा कि यह सांग आने वाले समय में स्कूलों और सांस्कृतिक संस्थानों में भी प्रस्तुत किया जाएगा, ताकि हरियाणा की आने वाली पीढ़ियां अपनी विरासत से जुड़ाव महसूस कर सकें।

इस मौके पर संगठन के प्रवक्ता रामधन शास्त्री ने कहा कि दादा मांगेराम द्वारा रचित और प्रस्तुत वीर विक्रमादित्य सांग ना केवल एक मनोरंजक सांस्कृतिक प्रस्तुति रही, बल्कि यह हरियाणा की वीर परंपरा और लोक संस्कृति का गर्वपूर्ण प्रदर्शन भी था। ऐसे आयोजनों से हरियाणवी सांग की समृद्ध परंपरा को नई ऊर्जा मिलती है।

बवानीखेड़ा। बी. के. वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, बवानी खेड़ा में भारतीय भाषा समर कैंप के समापन में उपस्थिजन। फोटो: हरिभूमि

छात्रों को स्लाइड से पर्वतों तथा नदियों की झांकी दिखाई गई

■ भारतीय भाषा दिवस पर कार्यक्रम का हुआ समापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बवानीखेड़ा

बीके वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, बवानी खेड़ा में भारतीय भाषा समर कैंप का समापन विद्यालय प्राचार्य पंकज कुमार मिश्रा ने किया। समर कैंप के छठे व सातवें दिन की गतिविधि के अंतर्गत विद्यार्थियों को ऐतिहासिक स्मारकों की जानकारी देते हुए भारतीय भाषा समर कैंप का समापन किया गया। भारत की नदियों पर्वतों और सांस्कृतिक विरासत के ऊपर इतिहास विषय के अध्यापक वर्ग के द्वारा प्रकाश डालकर विद्यार्थियों का ज्ञानवर्धन किया गया। इस दौरान स्लाइड के माध्यम से विद्यार्थियों की रुचि उत्पन्न करते हुए विभिन्न प्रकार के पर्वतों तथा नदियों तथा ऐतिहासिक स्थलों की झांकी भी विद्यार्थियों को दिखाई गई। सबसे पहले आचार्य संजीव कुमार ने इतिहास शब्द पर प्रकाश डाला जिसका अर्थ उन्होंने बताया-ऐसा हुआ होगा। उन्होंने यह भी बताया कि इतिहास को कब एक विषय के रूप में प्रस्तुत किया गया। आचार्या मीनू वालिया ने भारत के प्रसिद्ध स्तूप जैसे सांची के स्तूप, इंडिया गेट, चित्तौड़गढ़ का किला आदि की विस्तृत जानकारी दी। दीपक शर्मा ने विभिन्न प्रकार के पर्वतों की जानकारी दी। इस अवसर पर वरिष्ठ विभाग को-ऑर्डिनेटर योगेंद्र सिंह, कनिष्ठ विभाग संचालिका मंजू मलिक, प्रोमिला वर्मा, रीना जाखड़, मीनाक्षी, सिंपी, प्रियंका सहित समस्त विद्यालय का स्टाफ उपस्थित रहा।

एससी वर्ग के साथ अन्याय बर्दाश्त नहीं

■ हरियाणा अनुसूचित जाति आयोग के वाइस चेयरमैन बिजेंद्र ने सुनीं समस्याएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

हरियाणा अनुसूचित जाति आयोग के वाइस चेयरमैन बिजेंद्र बड़गुज्जर ने कहा कि प्रदेश सरकार आमजन के साथ-साथ विशेषकर अनुसूचित जाति वर्ग के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। अनुसूचित जाति आयोग के पास नागरिकों की जो भी शिकायतें या समस्याएं पहुंचती हैं, उन पर गंभीरता के साथ कदम उठाकर पीड़ित व्यक्तियों को न्याय दिलाया जाता है। उन्होंने कहा कि एससी वर्ग के लोगों के साथ में किसी भी स्तर पर अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। बड़गुज्जर सेक्टर 23 में खुला दरबार लगाकर अनुसूचित जाति वर्ग के लोगों की समस्याएं सुन रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार हर वर्ग के कल्याण के लिए योजनाएं लागू कर रही हैं, जिसमें अनुसूचित जाति वर्ग भी शामिल है। अनुसूचित जाति वर्ग के लोगों के हितों की रक्षा के लिए हरियाणा अनुसूचित जाति आयोग का गठन किया गया है। यदि किसी व्यक्ति के साथ में अन्याय होता है या उसका शोषण होता है तो वह व्यक्ति आयोग में अपनी समस्या रख सकता है। उन्होंने कहा कि जो भी शिकायतें आयोग के पास में पहुंचती हैं, उन पर आयोग द्वारा ठोस कार्रवाई अमल में लाई जाती है। शोषण के खिलाफ आवाज उठाने में किसी को घबराने की कोई जरूरत नहीं है, एससी आयोग उनके साथ खड़ा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशानुसार प्रदेशभर में लोगों के बीच जाकर उनकी समस्याएं सुनी जा रहीं हैं। नागरिकों की समस्याएं सुनते हुए उन्होंने बताया कि14 जून को भिवानी में हमारा संविधान हमारा स्वाभिमान कार्यक्रम का आयोजन होगा, केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल के के मीडिया कोऑर्डिनेटर सुदेश कटारिया मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। कार्यक्रम के दौरान अनुसूचित जाति वर्ग के लोगों की समस्याएं भी सुनी जाएंगी और कार्यक्रम में प्रबुद्ध नागरिक अपने विचार प्रकट करेंगे। उन्होंने कहा कि बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर ने देश को एक अनुपम संविधान दिया है। यह संविधान हमारा गौरव है और संविधान के तहत ही हमारे हितों की रक्षा संभव है। प्रो. डॉ अश्वनी कुमार, हरनारायण दहिया, सुरेश नेहरा, जितेंद्र सभरवाल, दिनेश नेहरा, अभिनव चांग, राजकुमार नरवाल सहित गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

भिवानी। सेक्टर 23 में लोगों की समस्याएं सुनते हुए। फोटो: हरिभूमि

युवा पीढ़ी अपनी विरासत से हो रही है विमुख: महंत बाबा अभय गिरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

भारतीय संस्कृति विश्व में महान हमेशा से ही रही है, लेकिन दुख व चिंता का विषय है कि हमारी युवा पीढी लगातार अपनी विरासत से विमुख होती जा रही है, पश्चिमी देश जहां एक और वापिस अध्यात्म की ओर लोट रहे है तो हमारे देश के युवा पथभ्रष्ट होने के मार्ग पर तेजी से अग्रसर है, इस स्थिति में बदलाव के लिए सभी को मिलकर प्रयास करनें होंगे तभी सही मायनों में हम अपनी सांस्कृतिक पहचान को कायम रख पाएंगे। यह आहवान गांव नरसिंहवास स्थित बाबा जमना गिरी मंदिर परिसर में आयोजित धार्मिक कार्यक्रमों के दौरान श्री श्री 1008 श्री महंत बाबा पृथ्वी गिरी पिठाधीश्वर बालक गद्दी के शिष्य बाबा जमना गिरी डेरा नरसिंह वास महंत बाबा अभय गिरी ने सभी से किया। उनके सानिध्य में बाबा जमना गिरी मंदिर परिसर में दो दिवसीय धार्मिक आयोजन को संपन्न किया गया। इसके तहत निर्जला एकादशी अवसर पर मिठे पानी की छबिल, रात्रि जागरण व द्वादशी को हवन व प्रसाद वितरण का आयोजन किया गया। धार्मिक आयोजन का शुभारंभ हवन व यज्ञ से किया गया। इसमें नरसिंह वास सहित आसपास के गांवों से आए हुए मौजिज ग्रामीणों द्वारा पूर्ण आहुति अर्पित करते हुए विश्व शांति व कल्याण की कामना की गई।

भिवानी। मंदिर में आयोजित हवन में आहुति डालते हुए। फोटो: हरिभूमि

रुद्राक्ष, सिंदूर व अर्जुन सहित विभिन्न प्रजातियों के 31 पौधें रोपित कर मनाई माता की पुण्यतिथि

भिवानी। सरकार की ओर से चलाई गई महिम एक पेड़ मां के नाम को आगे बढ़ाते हुए कई समाजसेवियों सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सराहनीय कार्य कर रही है। उन्हीं में से पर्यावरण रक्षक के नाम से विख्यात जनस्वास्थ्य विभाग में कार्यरत कनिष्ठ अभियंता बिजेश कुमार जावला, जिन्होंने शनिवार को अपनी माता की 9वीं पुण्यतिथि पर पर्यावरण संरक्षण के लिए जनस्वास्थ्य विभाग कैंपस में रुद्राक्ष, सिंदूर, अर्जुन सहित अन्य फूलों के 31 पौधें लगाकर लोगों के लिए एक प्रेरणादायक काम किया है। बता दें कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कनिष्ठ अभियंता बिजेश कुमार जावला की ये पहल कोई नई नहीं है। इससे पहले भी वे पिछले 15 सालों में 10 हजार से अधिक पेड़ पौधें लगा चुके हैं और वे सिर्फ पौधे लगाने तक सीमित नहीं है बल्कि पेड़ बनने तक उनकी देखभाल भी करते हैं। उन्होंने बताया कि जो जन्मा है, उसका जाना निश्चित है। आज की परिस्थितियों के अनुसार पर्यावरण संरक्षण की दिशा में काम करना ही सर्वोत्तम कर्म है। नवदुर्गा सेवा सहयोग संस्था से सुरेश सैनी, भारत स्वाभिमान न्यास से आत्मप्रकाश टुटेजा, भिवानी पर्यावरण शुद्धिकरण समिति से केके वर्मा, हवलदार लोकराम नेहरा, श्रीकृष्ण कृपा जीओ गीता के जिला प्रधान नरेश आहूजा, पार्षद विनोद बेडवाल ने जावला की मुहिम का समर्थन करते हुए आमजन से आह्वान किया कि पर्यावरण संरक्षण में बढ़कर भाग लें।

तोशाम के मेगा माइंड विद्यालय में सीबीएसई शिक्षक ट्रेनिंग कार्यक्रम का हुआ आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तोशाम

तोशाम के मेगा माइंड वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में सीबीएसई द्वारा एक दिवसीय शिक्षक क्षमता निर्माण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। जिसका मुख्य विषय "शिक्षा के प्रति अभिभावकों को जागरूक करना" रहा। कार्यक्रम में 60 प्रतिभागी शामिल हुए, जो विभिन्न जिलों और विद्यालयों से पधारे थे। यह सत्र शिक्षकों के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक, प्रेरणादायक और अनुभवपूर्ण रहा।

इस प्रशिक्षण सत्र में सीबीएसई की तरफ़ से रिसोर्स पर्सन डॉ. तरंग गौर व सरजीत कुमार थे। दोनों विशेषज्ञों ने शिक्षकों को विषय से संबंधित अनेक महत्वपूर्ण पहलुओं पर मार्गदर्शन दिया तथा शिक्षण को अधिक प्रभावी बनाने के उपाय साझा किए। कार्यक्रम की शुरुआत में विद्यालय की प्राचार्या मनीषा वालिया एवं उपप्राचार्य मुकेश कुमार द्वारा दोनों रिसोर्स पर्सन्स को गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया गया। प्राचार्या वालिया ने कहा कि आज के समय में अभिभावकों को शिक्षा की महत्ता से अवगत कराना अत्यंत आवश्यक है, ताकि वे विद्यालय के साथ सहयोग कर बच्चों के समग्र विकास में सक्रिय भूमिका निभा सकें। उन्होंने रिसोर्स पर्सन्स और सभी प्रतिभागियों का हृदय से धन्यवाद किया। ज्ञात होकि प्राचार्या मनीषा वालिया स्वयं भी एक सीबीएसई की रिसोर्स पर्सन हैं, जो हमेशा अपने शिक्षकों को नई शैक्षिक विधियों से अपडेट रखने और उन्हें सशक्त बनाने के लिए तत्पर रहती हैं। उन्होंने कहा कि वह इस तरह की गतिविधियों को विद्यालय में आयोजित करने के लिए सदैव तत्पर है। कार्यक्रम के समापन अवसर पर दोनों रिसोर्स पर्सन्स को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

तोशाम। शिक्षक ट्रेनिंग कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षक।

भिवानी। आयोजित बैठक में उपस्थित कांग्रेसी नेता। फोटो: हरिभूमि

संगठन सृजन अभियान के तहत 10 जून को भिवानी में होगी कार्यकर्ताओं की बैठक

भिवानी। कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान के अंतर्गत, राहुल गांधी द्वारा आरंभ किए गए दिशा-निर्देशों के अनुसार, 10 जून 2025 को भिवानी जिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन कांग्रेस भवन, भिवानी में किया जाएगा। इस बैठक की अध्यक्षता मनोज चौहान, सेक्रेटरी, एआईसीसी द्वारा की जाएगी। बैठक में जिला स्तर पर संगठन को और सशक्त बनाने के लिए जिला कांग्रेस अध्यक्ष की नियुक्ति प्रक्रिया की शुरुआत की जाएगी। इस संदर्भ में शनिवार को एचपीसीसी भिवानी के ऑब्जर्वर अनिल मान ने भिवानी के कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ एक बैठक की और उन्हें संगठन सृजन अभियान व 10 जून को होने वाली बैठक की विस्तृत जानकारी दी। अनिल मान ने सभी कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे संगठन को मजबूत बनाने की इस प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें और आगामी बैठक में अधिकतम उपस्थिति दर्ज कर संगठन को नई ऊर्जा प्रदान करें।

कार्यकर्ताओं का मान-सम्मान हमारी प्राथमिकता: विरेंद्र कौशिक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

जिला के गांव मिताथल में शनिवार को भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष विरेंद्र कौशिक के सम्मान में एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें पार्टी कार्यकर्ताओं और स्थानीय जनता ने गर्मजोशी से हिस्सा लिया। चंद्रशेखर सर्व कल्याण मंच मिताथल द्वारा आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता खरक मंडल महामंत्री इतेंद्र अत्री ने की। इस दौरान भारी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और समर्थक एकत्र हुए। जिन्होंने गांव में पहुंचने पर जिला अध्यक्ष विरेंद्र कौशिक फूल-मालाओं से स्वागत किया तथा उन्हें लड्डुओं से तौलकर अनोखे अंदाज में सम्मानित किया गया। मंच पर चारों ओर जय-जयकार और भारत माता की जय के नारों से माहौल देशभक्ति से सराबोर हो गया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष विरेंद्र कौशिक ने उपस्थित सभी का आभार जताते हुए कहा कि यह सम्मान उनका नहीं, पूरे भाजपा परिवार और कर्मठ कार्यकर्ताओं का है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता किसी भी संगठन की रीढ़ होते है तथा आज कार्यकर्ताओं की बदौलत ही भारतीय जनता पार्टी विश्व का सबसे बड़ा संगठन है। प्रत्येक कार्यकर्ता का मान-सम्मान बरकरार रखना व संगठन को मजबूत बनाना प्राथमिकता रहेगी।

भिवानी। कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष विरेंद्र कौशिक को मिठाइयों से तोलते ग्रामीण।

कस्बे के पिलानी बाईपास रोड पर पानी की निकासी नहीं होने से परेशानी

गंदगी से अटा नाला, कैसे हो पानी की निकासी

■ सफाई नहीं होने से पूरे क्षेत्र में मच्छरों का प्रकोप बढ़ रहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहल

कस्बे के पिलानी बाइपास रोड पर पानी की निकासी के लिए बने नाले लोगों के लिए परेशानी का कारण बन गए है। लंबे समय से इन नालों की सफाई नहीं होने से ये मिट्टी व कचरे से अट गए है। नालों में गंदगी से उठती बदबू से इस क्षेत्र के लोग खासे परेशान है। वहीं, इनकी सफाई नहीं होने से पूरे क्षेत्र में मच्छरों का प्रकोप बढ़ रहा है। लोगों ने प्रशासन से इन नालों की नियमित सफाई करवाने की मांग की है ताकि उनको हर रोज की दिक्कत का सामना न करना पड़े। गौरतलब है कि पिलानी रोड पर बने मकानों के लिए पानी की निकासी के लिए पंचायत समिति द्वारा इन नालों का करीब 15 साल पहले निर्माण किया गया था।

उस समय लोगों को उम्मीद थी कि उनको पानी की निकासी को लेकर समस्या नहीं रहेगी। खासकर बारिश के मौसम में जलभराव से होने वाली दिक्कत नहीं होगी पर, सुविधा की जगह ये नाले लोगों की परेशानी का कारण बन गए है। क्योंकि इन नालों की लंबे समय से सफाई नहीं हुई। सफाई नहीं होने से नाले झाड़ियों, मिट्टी व गंदे पानी से भरे हुए है।

बहल। पिलानी रोड पर घास, फूस से भरे हुए नाले। फोटो: हरिभूमि

अधूरे छोड़ गए है नाले

हनुमान मंदिर के पीछे से इन नालों को बनाना शुरू किया गया था। योजना थी कि इन नालों को पिलानी रोड से राजगढ रोड तक मिलाया जाएगा। पर, इनका अधूरा निर्माण कर छोड़ दिया गया। जो नाले बनाए गए थे उनको भी कवर नहीं किया गया। ज्यादा चौड़ाई के बने नालों को अनकवर्ड छोड़े जाने से इनमें अनेक बार पशु गिरकर चोटिल हो चुके हैं। बावजूद इसके प्रशसन व पंचायत ने इन नालों की सुध नहीं ली है। लोगों की मांग है कि इन नालों की नियमित सफाई किए जाने के साथ साथ इनको कवर्ड किया जाए ताकि किसी प्रकार की परेशानी न हो। समाजसेवी राजेश अग्रवाल सहित कस्बे के अन्य लोगों ने मांग की है कि पंचायत इन नालों की सफाई करवाए ताकि लोगों को सुविधा हो।

नालों से उठती बदबू से परेशानी

नालों की सफाई नहीं होने से इनमें बदबू उठ रही है। इस क्षेत्र के आसपास करीब सौ से ज्यादा घर बनें है जो इन नालों से उठने वाली बदबू से लोग परेशान है। वहीं, इन नालों की वजह से पूरा क्षेत्र मच्छरों से परेशान है। गर्मी के मौसम में इन नालों में पनप रहे मच्छरों लोगों को बीमार कर रहे हैं। लोगों ने कई बार पंचायत व प्रशासन से मांग की है कि इन नालों की सफाई करवाई जाए पर न तो पंचायत और न हीं प्रशासन ने इन नालों की सफाई करवाने की जहमत उठाई है।

पंचायत नालें साफ कराएगी

पिलानी रोड पर बनाए गए नालों का निर्माण पीडब्ल्यूडी द्वारा किया गया था। पर, नियमानुसार, जो डीएलपी से बाहर है उनका रखरखाव पंचायत द्वारा किया जाएगा। हमनें इस बारे में प्रीसिंपल सक्रेटरी व बीडीपीओ को पत्र भी लिखा है। इन नालों को पंचायत द्वारा साफ किया जाना है। -कुलदीप सिंह जेई, पीडब्ल्यूडी विभाग

खबर संक्षेप

जरूरतमंद कन्या की शादी में भेंट की सिलाई मशीन

भिवानी। गांव हालवास मजरा देवसर में जरूरतमंद कन्या खुशबु पुत्री स्व. धर्मबीर की शादी में राष्ट्रीय वीर एकल्यव कल्याण वाहिनी सामाजिक संस्था के पदाधिकारियों द्वारा एडवोकेट अखिल कुमार कि अध्यक्षता में सिलाई मशीन व कन्यादान के रूप में सहायता राशि भेंट की। संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. कपूर लडवाल ने बताया कि संस्था द्वारा समय-समय पर इस प्रकार के सामाजिक कार्य किए जाते हैं।

लूट के पांच आरोपियों को दस- दस साल की कैद

भिवानी। सुनार के साथ लूट की वारदात को अंजाम देने के पांच आरोपियों को 10-10 वर्ष कारावास व प्रत्येक आरोपी पर 25,000 रुपए का जुर्माना लगाया। थाना सदर पुलिस को गांव बडाला निवासी व्यक्ति ने एक शिकायत दर्ज करवाई थी जिसमें शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि उनकी जैन चौक भिवानी नजदीक पटवारखाना के पास ज्वेलर्स की दुकान है और एक मार्च 2023 को अपने साथी के साथ शाम के समय दुकान बंद करके स्कूटी पर अपने गांव बडाला जा रहे थे जो रास्ते में दो मोटरसाइकिल पर सवार व्यक्तियों ने चलती स्कूटी पर डंडा मारकर उन पर हमला कर दिया था।

तपस्वी बंसीगिरी की अग्नि तपस्या का समापन

भिवानी। शहर के हालवास गेट नूनसर जोहड़ बाड़ी मोहल्ला स्थित सिद्ध पीठ श्री श्री 1008 बाबा हरिगिरि मठ में तपस्वी श्रीमहंत बाबा बंसीगिरी महाराज द्वारा 27 अप्रैल से शुरू की गई 41 दिवसीय अग्नि तपस्या का आज विधिवत समापन हुआ। बाबा बंसीगिरी महाराज ने 21 धुनों के बीच अग्नि कुण्डों के सान्निध्य में रहकर कठोर तपस्या की, जिसका उद्देश्य विश्व शांति, जन कल्याण व प्रकृति संतुलन रहा। 7 जून को इस तपस्या का समापन यज्ञ, हवन व 21 धुनों की विशेष पूजा अर्चना के साथ हुआ। समापन समारोह के अवसर पर भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

मुस्लिमों ने नमाज अता कर मांगी देश की तरक्की एवं अमन-शांति की दुआ

हिंदुओं ने निर्जला एकादशी पर लगाया सब्जी-पुरी,बूंदी और रायते का भंडारा

हरिभूमि न्यूज ⏭|भिवानी

हर धर्म की अपनी मान्यता एवं आस्था होती हैं, जिसके अनुसार वे अपने त्योहारों को धर्म, मान्यता एवं आस्था अनुसार मनाते हैं। शनिवार को हिंदूओं ने ज्येष्ठ माह की निर्जला एकादशी पर्व मनाया। शहर के अलावा जिलेभर में मीठे पानी, जलजीरा, निंबू शिंकजी की छबील लगाई और आलू भै व तरबूज की स्टॉल लगाकर लोगों को प्रसाद खिलाया गया। दूसरी ओर मुसलिम समुदाय ने ढ़ाणा रोड कब्रिस्तान वाली ईदगाह में ईद-उल-जुहा (बकरीद) हजरत इब्राहिम की कुर्बानी की याद में नमाज अता कर देश की तरक्की, विश्व में अमन-शांति एवं परिवार की सुख-समृद्धि की दुआ मांगी। हिंदुओं ने शहर में अनेक स्थानों पर अलग-अलग तरह की छबील लगाकर धर्म-कर्म किया, वहीं मुस्लिम समुदाय के लोगों ने नमाज पढ़कर बुराईयों से तोबा कर माफी मांगी।

उल्लेखनीय हैं कि शनिवार को सात जून को हिंदु धर्म के अनुसार ज्येष्ठ माह की निर्जला एकादशी व मुस्लिम धर्म की बकरीद हैं, जिसको लेकर दोनों धर्मों के लोगों में उत्साह हैं। हिंदुओं ने शहर में हर गली, चौक चौराहे, बाजार में मीठे पानी, शिकंजी, जल जीरा की छबील व आलू भै, व तरबूज का प्रसाद वितरित किया। किरोड़ीमल मंदिर के सामने जगदीश कंगन पैलेस व जगदीश चूड़ी भंडार के सामने सब्जी पूरी, बुंदी, रायता व जलजीरा का भंडारा लगाकर प्रसाद खिलाया। दूसरी ओर ढ़ाणा रोड कब्रिस्तान वाली ईदगाह में मुस्लिम समाज के लोगों ने ईद-उल-जुहा की नमाज अता की। भारत नगर मदरसा के शहरकाजी मौलवी अबीबुल रहमान ने ईद-उल-जुहा की नमाज अता करवाई। मौलवी रहमान ने बताया कि बकरीद हजरत इब्राहिम की कुर्बानी की याद में मनाया जाता है। बताते हैं कि अल्लाह ने हजरत इब्राहिम को हुकम फरमाया कि वह सबसे प्यारी चीज की कुर्बानी करें, तो हजरत इब्राहिम अपने बेटे इस्माइल की कुर्बानी देने को तैयार हो गए। हजरत इब्राहिम बेटे इस्माइल को कुर्बान करने को आंखों पर पट्टी बांधकर आगे बढ़े तो खुदा ने इस्माइल की कुर्बानी को दुंबा (मिंडा) की कुर्बानी में परिवर्तित कर दिया।

भिवानी। निर्जला एकादशी पर सेठ किरोड़ीमल गौरीशंकर मंदिर के सामने सब्जी-पुरी, बूंदी व रायता का प्रसाद वितिरत करते पवन लखेरा व अनिल बंसल तथा कब्रिस्तान वाली ईदगाह में नमाज अता करते मुस्लिम समुदाय के लोग। फोटो : हरिभूमि

सब्जी-पूरी, बुंदी व रायता का लगाया भंडारा

निर्जला एकादशी पर किरोड़ीमल मार्केट के सामने जगदीश कंगन पैलेस के संचालक पवन लखेरा, नंदनी साड़ी के मास्टर सतबीर, जगदीश चूड़ी भंडार के प्रवीन लखेरा, महक साड़ी के अनिल बंसल, सुनील लेखरा, सुमित गोयल, चिंटू पौधार, मोनू सिंगला व उमेश खेमका ने सब्जी-पूरी, बुंदी, रायता व जलजीरा का भंडारा लगाया और राहगीरों को बुला-बुलाकर बैठाकर प्रसाद खिलाया। भंडारा दोपहर 12 बजे से शाम पांच बजे तक चला। वहीं विजय चूड़ी भंडार के सामने अमित गोयल व राजेश सिंगला सहित अनेक दुकानदारों ने लोगों को स्टॉल लगाकर जलजीरा पिलाया। वहीं हांसी चौक, घंटाघर चौक, नया बाजार, पुराना बस स्टैंड, रोहतक चौक, फैंसी चौक, भोजावाली देवी मंदिर के पास, लोहड़ बाजार, हालु बाजार, दिनोद गेट, पतराम गेट, हनुमान ढाणी, बिचला बाजार, सराय चौपटा, गोशला मार्केट, दादरी गेट चौक पर मीठे पानी व ठंडाई की छबील लगाकर लोगों का गला तर किया।

प्रेमभाव से रहे एवं बुराइयों से करें तोबाः जोरावर

मस्जिद कमेटी के प्रधान जोरावर अली ने कहा कि बकरीद का त्योहार प्रेम, भाईचारे एवं सौहार्द का प्रतीक है, इस दिन मुस्लिम लोग नमाज पढ़कर देश की तरक्की, विश्व में अमन-शांति की दुआ करते हैं। नमाज के बाद मुस्लिम भाई बहन एक दूसरे के गले लगकर गिले सिकवे दूर कर प्रेमभाव से रहने की कामना करते हैं और बुराईयों से तोबा कर माफी मांगते हैं। सलमा बैगन, रूखशाना, अफशाना, शबाना व जोया ने बताया कि नमाज अदा करने के बाद सुबह मीठी खीर, सिवेईया, खुरमा व बेशन के पकोड़े सहित अनेक मीठे व नमकीन पकवान तैयार बनाकर परिजनों, रिश्तेदारों व मित्रों को पसोते जाते हैं। समाज के लोग एक दूसरे को दावत देते हैं और मीठे पकवान तैयार कर बधाई स्वरुप घरों में देने जाते हैं।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर मस्जिद कमेटी के प्रधान जोरावर अली, ढ़ाणा रोड ईदगाह के मौलाना इलियास खान, हफीज उल्लाह, उमेदखान, हनीफ अली, नसीब, अब्दुल हमीद, रोशन अली, तैय्यब हुसैन, यासिन अली, रिजवान खान, नसीरुद्दीन अली, कुरशैद अहमद, राजेश खान, शरीफ खान, शौकत अली, जाकिर अली, हैदर अली, सुगनपाल बजीणा, रोशन, इस्लाम, सलीम, इसरायल फौजी, आदिल, जैद खान व हैदर अली आदि मौजूद थे।

ढाणी माहु निवासी माई चंद हत्या मामले में आरोपित बेटे को किया गिरफ्तार

भिवानी। पुलिस थाना तोशाम पुलिस ने माई चंद हत्या मामले में आरोपित बेटे को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार राकेश निवासी ढाणी माहु ने थाना तोशाम पुलिस को एक शिकायत दर्ज करवाई थी जिसमें शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि उसके दादा माई चंद से उसके चाचा प्रकाश का जमीन के बंटवारे को लेकर रंजिश रखता था। 6 जून की शाम को उसके दादा माई चंद गली में किसी व्यक्ति से बात कर रहे थे तभी उसका चाचा प्रकाश वहां पर आ गया और उसके दादा माई चंद के साथ झगड़ा करने लगा था इसके बाद तैश में आकर उसके चाचा प्रकाश ने ईट उठाकर उसके दादा के सिर पर मारकर मौके से भाग गया था। जो इस शिकायत पर पुलिस ने संबंधित धाराओं के तहत अभियोग थाना तोशाम में दर्ज किया था। थाना तोशाम के उप निरीक्षक नसीब सिंह ने माई चंद हत्या मामले में आरोपित बेटे को ढाणी माहु से गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान प्रकाश पुत्र माई चंद निवासी ढाणी माहु जिला भिवानी के रूप में हुई है। पुलिस टीम के द्वारा आरोपी से हत्या में प्रयोग की गई एक ईट को बरामद किया गया है।

मार्केट न्यूज

एम के हॉस्पिटल में विशेष स्वास्थ्य शिविर का सफल आयोजन

भिवानी। 07 जून, शनिवार, एम.के. हॉस्पिटल द्वारा एक विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न विशेषज्ञ डॉक्टरों की उपस्थिति में मरीजों की निःशुल्क जांच की गई। यह शिविर प्रातः 9:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक चला, जिसमें 150 से अधिक मरीजों ने भाग लिया और अपने स्वास्थ्य की जांच करवाई। शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सक :डॉ. विष्णु कांत शर्मा (यूरोलॉजिस्ट) डॉ. ऋतु शर्मा (स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ) डॉ. मानस रंजन (गैस्ट्रो-सर्जन) उपस्थित रहे। शिविर में मरीजों को विशेषज्ञ परामर्श के साथ-साथ कुछ विशेष परीक्षण भी निःशुल्क प्रदान किए गए। इन जांचों की मदद से मरीजों को उनकी बीमारियों के बारे में सटीक जानकारी प्राप्त हुई, जिससे उन्हें उचित इलाज मिल सका। एम.के. हॉस्पिटल का यह प्रयास स्थानीय समुदाय के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हुआ और आमजन में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने में सफल रहा। अस्पताल प्रबंधन ने सभी चिकित्सकों और स्टाफ का धन्यवाद ज्ञापित किया, जिन्होंने इस शिविर को सफल बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

जमीनी बंटवारे के चलते पुत्र ने पिता को उतारा मौत के घाट

हरिभूमि न्यूज ⏭|तोशाम

गांव ढाणीमाहू में बेटे ने जमीनी बंटवारे को लेकर अपने पिता को मौत के घाट उतार दिया। पुलिस ने मृतक के पोते की शिकायत पर मामला दर्ज किया। तोशाम पुलिस ने माईचंद हत्या मामले में आरोपित बेटे को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया।

ढाणीमाहू निवासी राकेश ने पुलिस को दी शिकायत बताया कि उसके दादा माईचंद से उसके चाचा प्रकाश का जमीन के बंटवारे को लेकर विवाद रहता था। जिसके कारण मृतक का बेटा उससे रंजिश रखता था। शुक्रवार की शाम को उसके दादा माई चंद गली में किसी व्यक्ति से बात कर रहे थे तभी उसका चाचा प्रकाश वहां पर आ गया और उसके दादा माईचंद के साथ झगड़ा करने लगा था। इसके बाद तैश में आकर उसके चाचा प्रकाश ने ईट उठाकर उसके दादा के सिर पर मारी। ईंट मारकर वह मौके से भाग गया। माईचन्द को ईंट लगने के बाद पहले भिवानी के सामान्य अस्पताल में ले जाया गया। जिसके बाद उसे रोहतक रेफर कर दिया। रास्ते में जाते समय उसने दम तोड़ दिया। पुलिस ने मृतक के पोते राकेश की शिकायत पर प्रकाश चंद के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

देवसर में हिंद स्वराज्य संस्थापक छत्रपति शिवाजी राज्यभिषेक दिवस समारोह

- छत्रपति शिवाजी का जीवन और उनके आदर्श देते रहेंगे प्रेरणा : सिहणे

हरिभूमि न्यूज ⏭|भिवानी

अटक से कटक तक पूरे भारत में हिंद स्वराज्य संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज का राज्यभिषेक दिवस समारोह धूमधाम से मनाया गया। इसी कड़ी में गांव देवसर में बड़ी धूमधाम से मनाया गया। यह जानकारी देते हुए धनुषधारी धाणक वीर मराठा संगठन के प्रदेश महासचिव मराठा विनोद सिहाणे ने बताया कि गांव देवसर में आयोजित राज्यभिषेक समारोह में बतौर मुख्य व्यक्ता धनुषधारी (धाणक) मराठा इतिहासकार चौ. सुरेंद्र सिंह भोंसले ने शिरकत की तथा समाज को इतिहास की पूरी जानकारी से अवगत करवाया। इस मौके पर विशेष तौर दिल्ली नजफगढ से पूर्व भाजपा हल्का अध्यक्ष व निगम पार्षद नरेश मुंदडिया और दिल्ली पुलिस से इंस्पेक्टर रोहताश नंदा पहुंचे। मराठा सुरेश मोरे और प्रदेश उपाध्यक्ष युवा विक्रम दग्गल ने मराठी भाषा में छत्रपति शिवाजी महाराज के उद्धघोष को बडे जोश के साथ उच्चारण किया। समारोह की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष संगठन भिवानी सोम दग्गल ने की। अतिथियों व जनता ने राज्यभिषेक दिवस पर सर्वगुण संपन्न छत्रपति शिवाजी महाराज को दीप जलाकर तथा एक दूसरे के माथे पर चन्दन का तिलक लगाकर आपस में बधाई दी।

भिवानी। आयोजित कार्यक्रम में मंचासीन धनुषधारी धाणक वीर मराठा संगठन के प्रदेश महासचिव। फोटो : हरिभूमि

न्यूज डायरी

विवेकानंद शाखा ने राहगीरों की बुझाई प्यास

भिवानी। जल को ही जीवन का आधार माना जाता है तथा इस चिलचिलाती गर्मी में तो जल की महत्ता और अधिक बढ़ जाती है। ऐसे में चिलचिलाती गर्मी में राहगीरों की प्यास बुझाकर उन्हे राहत देने के उद्देश्य से भारत विकास परिषद की विवेकानंद शाखा द्वारा स्थानीय पुराना बस स्टैंड स्थित क्राउन प्लाजा के सामने शीतल एवं मीठे पानी की छबील लगाई गई। जनसेवा के इस कार्य में भारत विकास परिषद की शाखा विवेकानंद के सदस्य पर्यावरण संयोजक सुरेंद्र सांगवान का विशेष योगदान रहा। इस मौके पर विवेकानन्द शाखा अध्यक्ष अधिवक्ता नरेंद्र सोनी व सचिव अधिवक्ता कांति चंद्र कौशिक ने कहा कि गर्मी के मौसम में ठंडा पानी पिलाना सनातन धर्म में पुण्य का कार्य बताया गया है।

ई-केवाईसी के लिए मेरा ई-केवाईसी एप्लीकेशन जारी

भिवानी। डीसी महावीर कौशिक ने बताया कि खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग उपभोक्ता मामले व खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा राशनकार्डों में शत-प्रतिशत ई-केवाईसी के लिए मेरा ई-केवाईसी मोबाईल एप्लीकेशन जारी किया गया है। जिसके तहत सभी राशनकार्ड धारक अपना व अन्य सदस्यों की ई-केवाईसी मोबाईल एप्लीकेशन के माध्यम से कर सकते हैं। मोबाईल एप्लीकेशन गूगल प्ले स्टोर व गूगल लिंक पर जाकर भी डाउनलोड कर सकते हैं। डीसी ने जिलावासियों का आवाहन करते हुए कहा कि सभी राशनकार्ड धारक ई-केवाईसी के लिए 'मेरा ई-केवाईसी' मोबाईल एप्लीकेशन डाउनलोड करके अति शीघ्र शत-प्रतिशत ई-केवाईसी पूर्ण करना सुनिश्चित करें।

समर कैंप के अंतर्गत बच्चों को दी ऐतिहासिक जानकारियां

भिवानी। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुसार मातृभाषा आधारित शिक्षा और बहू भाषावाद को बढ़ावा देने के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने भारतीय भाषा उत्सव 2025- 26 मनाने के लिए विद्यालयों में 2 जून से 8 जून तक भारतीय भाषा समर कैंप का आयोजन किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत आज राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पालुवास में संदीप वधवा ,संजय मुदगिल, सुरेंद्र तंवर , रीना दहिया के नेतृत्व में बच्चों को इतिहास, भूगोल से संबंधित अनेक जानकारियां दी गई। संजय मुदगिल ने बच्चों को मानचित्र के माध्यम से महासागरों, नदियों, पहाड़ों आदि से संबंधित विभिन्न जानकारियां दी।

जन जन तक फैलाएंगे योग का संदेश

भिवानी। भारत माता सेवा मंडल 21 जून को सुबह एम सी कॉलोनी स्थित सेंट्रल पार्क में योगा का बड़ा कार्यक्रम आयोजित कर योग का संदेश जन जन तक पहुंचाने का कार्य करेगा। भारत माता सेवा मंडल के अध्यक्ष अधिवक्ता पदम सिंह चौहान एवं सेवा प्रमुख अशोक जूसवाला व बिशम्बर शर्मा ने बताया कि सेंट्रल पार्क में रोज सुबह योगा कार्यक्रम पिछले नो वर्षों से करवाया जा रहा है। आने वाली 21 जून को इस कार्यक्रम में युवा, बुजुर्ग एवं महिलाओं को भी शामिल करके योग को जन जन तक पहुंचाने का कार्य किया जाएगा।

सिंदूर वंदन कवि सम्मलेन पंचायत भवन में 8 को

भिवानी। महान स्वतंत्रता सेनानी पंडित नेकीराम शर्मा की पुण्यतिथि के अवसर पर तथा पहलगाम आतंकवादी घटना का सिंदूर ऑपरेशन के माध्यम से बदला लेने वाली भारतीय सेना के सम्मान में जिला प्रशासन के तत्वावधान में साहित्यकार मित्र मंडली भिवानी द्वारा स्थानीय पंचायत भवन में 8 जून रविवार को शाम पांच बजे सिंदूर वंदन कवि सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए सीटीएम अनिल कुमार ने बताया कि भारतीय सेना के शौर्य को समर्पित इस कवि सम्मेलन में भिवानी से विधायक घनश्याम सर्राफ मुख्य अतिथि होंगे तथा डीसी महावीर कौशिक अध्यक्षता करेंगे। उन्होंने बताया कि पुलिस अधीक्षक मनबीर सिंह कवि सम्मेलन में विशिष्ट अतिथि होंगे। उन्होंने बताया कि कवि सम्मेलन में कवियों द्वारा सेना के सम्मान में काव्य पाठ किया जाएगा।

कैबिनेट मंत्री अग्रणी किसानों को करेंगे सम्मानित

तोशाम। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं लोकनिर्माण मंत्री रणबीर गंगवा आठ जून रविवार को गांव मंढाण में ऑर्गेनिक हरियाली नर्सरी का उदघाटन करेंगे। उपायुक्त कार्यालय से प्राप्त जानकारी अनुसार कैबिनेट मंत्री गंगवा रविवार को दोपहर 12 बजे कार्यक्रम में पहुंचेंगे। इस मौके पर बागवानी क्षेत्र में अग्रणी किसानों को भी सम्मानित करेंगे। कार्यक्रम के आयोजक ऑर्गेनिक हरियाली नर्सरी के संचालक डॉ अशोक बिरथल ने कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं लोकनिर्माण मंत्री गंगवा ऑर्गेनिक हरियाली नर्सरी का रिबन काटकर विधिवत रूप से उदघाटन करेंगे। उन्होंने बताया की नर्सरी का पिछले दिनों ही रजिस्ट्रेशन हुआ है। उन्होंने बताया कि कैबिनेट मंत्री बागवानी क्षेत्र में अन्य किसानों के लिए प्रेरणा बने अग्रणी किसानों को सम्मानित करेंगे। कैबिनेट मंत्री इस मौके पौधारोपण कर पर्यावरण का संदेश भी देंगे।

रुदड़ौल निवासी उदय सिंह ने स्टेट बॉक्सिंग चैंपियनशीप में जीता गोल्ड

हरिभूमि न्यूज ⏭|बाढड़ा

रोहतक के साई एनबीए में 4 जून से 7 जून तक आयोजित चौथी जूनियर लड़के व लड़कियों की हरियाणा स्टेट बॉक्सिंग चैंपियनशिप में रुदड़ौल निवासी उदय सिंह ने स्वर्ण पदक जीतकर नया इतिहास रचा है जिस पर उनको प्रोत्साहन पुरस्कार बेस्ट बॉक्सर का अवार्ड भी प्राप्त किया। उनके लगातार बेहतरीन प्रदर्शन पर क्षेत्र के खेल प्रेमियों ने उनको बधाई दी है। कोच विनय कुमार ने बताया कि राज्य स्तरीय प्रतियोगिता मैं गोल्ड मेडल जीतने के बाद उदय सिंह का चयन राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता मे हो गया है जो साईं एनबीए रोहतक परिसर में ही 18 जून से 25 तक होगी। शहीद भगत सिंह बॉक्सिंग अकेडमी हांसी के युवा उदय सिंह ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से सभी का मन मोह लिया। उदय सिंह ने पिछले साल एशियन सब जूनियर बॉयज बॉक्सिंग में अंतर्राष्ट्रीय स्तर स्वर्ण पदक जीतकर शहीद भगत सिंह बॉक्सिंग अकेडमी, हांसी की खुशी में जोरदार उत्साह भर दिया था। उदय सिंह के कोच विनय बिजारणिया ने बताया कि उदय बचपन से ही खेलो के लिए रुचि लेकर त्यारी करता रहा है। उदय सिंह ने शहीद भगत सिंह बॉक्सिंग अकेडमी, हांसी, परिवार और गांव का नाम रोशन किया है। दीपक ने बताया कि उदय सिंह शहीद भगत सिंह बॉक्सिंग अकेडमी हांसी में अपना अ यास करता है। संदीप ने बताया कि उदय सिंह के पिता विनय कुमार एक कोच है जो पिता व कोच की अपनी जि मेवारी बखूबी अदा कर रहे है। अजय सिहाग और सर्वेश सैनी ने कहा कि यह क्षण हमारे लिए गौरव का विषय है कि एक छोटी सी शहीद भगत सिंह बॉक्सिंग अकेडमी, हांसी के बच्चे ने गोल्ड मेडल लाकर गांव के बच्चों को एक नई दिशा दी है जो बच्चे सारा दिन मोबाइल में लगे रहते है, उनको खेल के लिए प्रेरित किया है। जानकारी के अनुसार उदय ने 44 से 46 किलो वजन में जूनियर श्रैणी में गोल्ड मेडल जीता है। उदय सिंह की जीत उनके परिवार विशेषकर उनके दादा स्वर्गीय कमपाल सिंह और स्वर्गीय बलवान सिंह सिहाग के सपने उदय इंडिया को आज पूरा करने की और अपने कदम बड़ा रहा है। उदय सिंह की इस उपलब्धी से रूदडौल गांव में खुशी की लहर है।

बाढड़ा। हरियाणा स्टेट बॉक्सिंग चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल विजेता उदय सिंह रुदड़ौल। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन नं. : 8295157800, 8814999151, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
भिवानी : हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन : 8814999170, दादरी : 9253681008

स्टैंड विद नेचर ने जारी किया वार्षिक क्लाइमेट एक्शन कैलेंडर

विद्या देवी पर्यावरण पंचायत की कॉर्डिनेटर नियुक्त

- पर्यावरण पंचायत, क्लाइमेट कांफ्रेंस व वेस्ट मैनेजमेंट होंगे वर्ष के मुख्य अभियान
- कैलेंडर केवल तिथियों का नहीं, बल्कि जलवायु न्याय की कार्य योजना : डॉ. लोकेश

हरिभूमि न्यूज ⏭|भिवानी

पर्यावरणीय चेतना की नई लहर के बीच स्टैंड विद नेचर संगठन ने अपने वार्षिक क्लाइमेट एक्शन कैलेंडर-2025-26 का भव्य विमोचन किया। इस दौरान संगठन की केंद्रीय विचार गोष्ठी का आयोजन भिवानी संगठन कार्यालय में हुआ, जिसमें स्टैंड विद नेचर भिवानी के पर्यावरण कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संगठन के संस्थापक डॉ. लोकेश भिवानी ने की। उन्होंने कहा वर्ष 2019 में जब हमने साइकिल यात्रा से पर्यावरण संरक्षण का बिगुल बजाया था, तब इस पर कम चर्चा थी। आज क्लाइमेट चेंज हमारे दरवाजे पर दस्तक दे चुका है। जून में नोतपा की बजाय मानसूनी परिस्थितियां इसी बदलाव का संकेत हैं। अब देरी का वक्त नहीं निर्णायक कार्यों की घड़ी है। इसी क्रम में संगठन ने वर्षभर चलने वाले अभियानों की रूपरेखा प्रस्तुत की और उनके सफल क्रियान्वयन के लिए विद्या देवी को राष्ट्रीय समन्वयक तथा रविशु सांगवान को सह-समन्वयक नियुक्त किया। डॉ. लोकेश ने दोनों को दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि ये कैलेंडर केवल तिथियों का नहीं, बल्कि जलवायु न्याय की कार्य योजना है। उन्होंने बताया कि एक पेड़ दादा-दादी के नाम के कॉर्डिनेटर विष्णु बौंदिया व शिवकुमार चित्रकार रहेंगे, जिसका उद्देश्य चार पीढ़ियों को जोड़ते हुए बुजुर्गों के सम्मान और पारिवारिक मूल्यों को प्रकृति से जोड़ना हैं।

भिवानी। स्टैंड विद नेचर संगठन की बैठक में कार्यकर्ताओं से चर्चा करते संगठन के संस्थापक डॉ. लोकेश भिवानी।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 8 जून 2025

समय तेजी से बदल रहा है। हर रोज तकनीक नए अवतार में सामने आ रही है। जाहिर है, ऐसे में सर्वाइव करने और ग्रो करने के लिए खुद को लगातार अपडेट करना जरूरी है। अच्छी बात है कि इस बात की महत्ता को समझते हुए आज के युवा अपनी स्किल्स डेवलपमेंट के लिए लगातार प्रयासरत हैं।

युवा नई स्किल्स सीखकर लगातार हो रहे अपडेट

{ कवर स्टोरी/ डॉ. मोनिका शर्मा }

तेजी से बदलते इस दौर में नई सोच ही नहीं न्यू एज स्किल्स भी आवश्यक हैं। आज के युवाओं को सेल्फ डेवलपमेंट की सोच में व्यक्तित्व ही नहीं कौशल को भी रखना होगा। वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम का अनुमान है कि 2030 तक 85 फीसदी ऐसी नौकरियां मौजूद होंगी, जो बिल्कुल नए क्षेत्रों से जुड़ी होंगी। यानी, रोजगार के ऐसे फील्ड और अवसर, जो अभी तक अस्तित्व में नहीं हैं। इसलिए युवाओं में एडॉप्टिबिलिटी और नया सीखने की सोच जरूरी है। देखने में आ रहा है कि सरकार और कंपनियां भी निरंतर कौशल विकास की जरूरत पर बल दे रही हैं। असल में तकनीकी तरक्की और कॉर्पोरेट दुनिया के तेजी से बदलते परिवेश में नए लोगों को ही नहीं पहले से जुड़े कर्मचारियों को भी लगातार नई स्किल सीखनी जरूरी है।

बदलते हालातों से तालमेल

बदलाव के प्रति खुला रुख और बदलती परिस्थितियों के साथ तालमेल बैठाने की सोच आज के समय में बहुत आवश्यक है। एडॉप्टिबिलिटी से जुड़ा यह भाव वह सॉफ्ट स्किल है, जिस पर सीखने-समझने की लगातार चलने वाली प्रक्रिया टिकी होती है। असल में एडॉप्टिबिलिटी का मतलब ही नई परिस्थितियों के लिए खुद को तैयार रखना है। बदलती स्थितियों के साथ आसानी से ढलने की क्षमता जुटाना है। बदलाव के लिए लचीला रुख रखना है। तकनीकी दुनिया में एआई से लेकर प्रोफेशनल वर्ल्ड में लोगों से जुड़ाव की राह चुनने तक, पेशेवर दुनिया में नित नया सीखते रहने की प्रवृत्ति आज के समय की जरूरत है। आज टेक्नोलॉजी, इंडस्ट्रीज, सर्विस सेक्टर हर फ्रंट पर बदलाव आ रहा है। काम-काजी दुनिया की बदलती अपेक्षाओं के अनुरूप ढलना जरूरी है। स्किल्स और माइंडसेट के मोर्चे पर स्वयं को संवारते रहने से ही अपडेट रहा जा सकता है। सुखद है कि युवा अपनी स्किल को निखारने को प्राथमिकता भी दे रहे हैं।

मिलते हैं अनेक फायदे

उम्र के हर पड़ाव पर ही कुछ नया सीखना या सीखते रहना आत्मविश्वास की सौगात देता है। बात जब काम-काजी दुनिया में अपनी जमीन पुख्ता करने में जुटे युवाओं की हो तो, यह पहलू और अहम हो जाता है। असल में अपनी स्किल्स निखारने से जॉब में सुरक्षा मिलती है। किसी क्षेत्र विशेष में पहचान बनाने का अवसर मिलता है। मौजूदा नौकरी में तो आगे बढ़ने के अवसर मिलते ही हैं, करियर के नए दरवाजे भी खुलते हैं। मानसिक रूप से यह स्थिति तनाव से भी दूर रखती है, क्योंकि आने वाले समय के लिए खुद को तैयार करने के प्रयास हर तरह की असुरक्षा से दूर रखते हैं। नई स्किल्स सीखने से हर इंसान को अपने आप के बारे में अच्छी और सकारात्मक अनुभूति होती है। अपनी क्षमता के प्रति बने विश्वास से मन अधिक सशक्त महसूस करता है। काम-काजी दुनिया में इस मनःस्थिति के साथ चुनौतियों का सामना करना और आसान हो जाता है। नए स्किल्स सीखने से नए लक्ष्य बनाने और पाने की भी हिम्मत मिलती है। परिस्थितियों के अनुसार कौशल निखार से मिला आत्मविश्वास अनमोल होता है। ऐसे भरोसे से लबरेज मन-मस्तिष्क, हर हाल में कुछ बेहतर करने का मार्ग खोज लेता है। समझना मुश्किल नहीं कि फील्ड चाहे कोई भी हो, योग्यता के मोर्चे पर बेहतरी की ओर बढ़ते जाना कभी व्यर्थ नहीं जाता। *

डेवलप होती है पर्सनालिटी

फॉर्मल डिग्री के बाद भी कुछ नया सीखते रहना व्यक्तित्व विकास में भी सहायक होता है। नए स्किल्स सीखना अपने ज्ञान को बढ़ाना है। अपनी कार्यक्षमता को बेहतर करना है। समय के साथ चलते रहने की सोच को सही दिशा देना है। खासकर सॉफ्ट स्किल्स को बेहतर करना अच्छी निर्णय क्षमता, प्रभावी कम्युनिकेशन और समस्याओं का समाधान तलाशने में मददगार साबित होता है। ऐसे सभी पहलू व्यक्तित्व विकास से ही जुड़े होते हैं। यही बातें युवाओं की पर्सनालिटी को इंप्रेसिव बनाती हैं। अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन के अनुसार, व्यक्ति की पर्सनालिटी उसके स्थाई व्यवहार, विचार, इमोशनल पैटर्न और क्षमताओं को लिए होती है। कॉग्निटिव बिहेवेरियल थेरेपिस्ट और 'द फील गुड जर्नल' के लेखक लुडोविका कोलेला के मुताबिक 'व्यक्तित्व, व्यवहार और विचार पैटर्न का एक संयोजन होता है, जो समय के साथ अपेक्षाकृत स्थिर होता जाता है।' ऐसे में पर्सनल ग्रोथ और पर्सनालिटी डेवलपमेंट, दोनों ही सिस्टमेटिक ढंग से कुछ ना कुछ सीखते रहने से गहराई से जुड़े हैं। साथ ही खुद को सक्रिय रखने के लिए भी न्यू स्किल्स सीखना आवश्यक है। इस तरह नया स्किल, वर्किंग फील्ड में तो बेहतरी से जुड़ा ही है, युवाओं के व्यक्तित्व विकास का भी अहम पहलू है।

अपनी बिजी लाइफ में भी कुछ पल हों दोस्तों के लिए

{ रिलेशनशिप / संध्या सिंह }

वैसे तो आज के दौर में हर व्यक्ति समय की कमी का रोना रोता रहता है। लेकिन इस बिजी लाइफ में भी अगर कुछ पल आप अपने दोस्तों के साथ बिताते हैं तो इसके कई तरह के फायदे आपको मिलेंगे, जीवन में हमेशा जीवंतता बनी रहेगी।

हर रोज सुबह घर से निकलकर पूरा दिन ऑफिस में काम करने के बाद ट्रैफिक और भीड़ की मुश्किलें झेलने के बाद घर पहुंचकर आप अपने कंफर्टेबल जोन में आ जाते हैं। अपने लिए चाय बनाते हैं और किसी किताब को पढ़ने या कोई मनपसंद फिल्म देखने की सोचते हैं। तभी आपके दोस्त का फोन आता है, जिसकी आपके साथ काफी दिनों से मुलाकात नहीं हुई है। वह आपको रात के समय फिल्म देखने के लिए बोलता है तो आप कहते हैं कि नहीं, अब मेरा कोई मूड नहीं है। लेकिन दोस्त 10-15 मिनट के बाद आपको लेने के लिए आ जाता है। मन नहीं होने के बावजूद आप फिल्म देखने चले जाते हैं। लंबे समय के बाद दोस्त से मिलकर, फिल्म देखकर, उसके साथ वक्त बिताकर आपको बहुत अच्छा लगता है। क्या आपने भी ऐसा महसूस किया है?

तनाव होता है कम: यह सच है कि आज के समय में घर से ऑफिस और ऑफिस से घर की व्यस्त दिनचर्या में आपको दोस्तों से मिलने का ख्याल ही नहीं आता है। थकान और तमाम उलझनों के कारण उनके लिए समय निकालना आपके लिए संभव भी नहीं होता। लेकिन विभिन्न सर्वेक्षण इस बात का दावा करते हैं कि अपनी व्यस्त दिनचर्या में भी दोस्तों के लिए वक्त निकालना, आपको काफी हद तक तनावमुक्त करता है। दोस्तों से मिलना, उनके साथ समय बिताना उस समय और जरूरी हो जाता है, जब आप किसी तरह की समस्या से जूझ रहे होते हैं। जाहिर सी बात है, दोस्त के साथ मिलने पर आप उनके साथ अपनी समस्या शेयर करते हैं। आपका दोस्त आपकी समस्या को ध्यान से सुनता है और उसे नए तरीके से देखने और समझने के लिए आपको बहुत सी नई बातें बताता है, जिससे आपको अपनी वो छोटी सी समस्या जितनी पहले बड़ी लग रही थी, अब और छोटी दिखती है।

ऐसे बिताएं समय: यह जरूरी नहीं कि आप अपने पार्टनर के साथ ही घूमने के लिए जाएं। अपने दोस्तों के साथ भी ट्रिप का प्रोग्राम बना सकते हैं। ऐसी ट्रिप, जिसमें सिर्फ आप अपने आपको और दोस्तों को समय दें। न आपके पास लैपटॉप हो, न ई-मेल चेक करने का झंझट और अपने स्मार्टफोन को भी आप दिन के समय या कुछ खास आवर्स में स्विच ऑफ कर दें केवल दोस्तों के साथ घूमने का आनंद लें, घूमें, फिरें और पार्टी करें। उनके साथ मिलकर मूवी देखें, कांसर्ट में शिरकत करें। कोई प्ले देखें। इस तरह की गतिविधियों में शिरकत न करने के कारण हम सामाजिक गतिविधियों से दूर हो जाते हैं। ये वही मौके हैं, जिनके द्वारा आप आपने को सोशलाइज्ड कर सकते हैं।

अलग होता है मिलने का आनंद: अगर आपका दोस्त तनाव में है और वह खुद अपने को घर में बंद कर लेता है, अलग-थलग रहकर वह चिड़चिड़ा और तनावग्रस्त हो जाता है तो यही वह समय है, जब आप उसको उसकी बंद दुनिया से बाहर लाकर अपना सहारा दे सकते हैं। भले ही आजकल मोबाइल फोन, व्हाट्सएप कॉल, ई-मेल या एसएमएस के जरिए हम दोस्तों से कनेक्ट होते हैं, लेकिन वर्चुअल दुनिया से निकलकर आमने-सामने की बातचीत का कोई विकल्प नहीं होता।

मिलने की करें पक्की प्लानिंग: हम अकसर अपने दोस्तों से मिलने की प्लानिंग तो बहुत करते हैं, लेकिन मिल नहीं पाते। इसके लिए हर बार की मीटिंग के बाद अगली बार मिलने की एक तारीख निर्धारित कर लें और उसके लिए किसी भी सूरत में समय निकालें। जीवन की आपा-धापी के बीच दोस्तों के लिए समय जरूर निकालें। तो अगली बार जब आपसे कोई कहे कि चलो मिलते हैं, इसे एक अनिश्चित समय के लिए न टालें। मोबाइल फोन निकालकर कैलेंडर देखकर तुरंत पहले से एक तारीख तय कर लें और अपने शेड्यूल को उसी हिसाब से अडजेस्ट करके अगली बार जरूर मिलें। *

बोरियत को कहें बाय-बाय जिंदगी में भरें नई उमंग

वजहें अलग-अलग हो सकती हैं, लेकिन बोरियत की फीलिंग कभी न कभी सभी को होती है। ऐसे में उसकी वजह तलाशें, उसका समाधान करें और जिंदगी को नई उमंग के साथ जीना शुरू करें।

{ लाइफस्टाइल / शैलेंद्र सिंह }

किसी ने सच ही कहा है, चलती का नाम जिंदगी है। लेकिन कभी-कभी अपनी जिंदगी से बोरियत महसूस होने लगती है। बोर होने का मतलब है रुकावट, थकावट, कल्पनाहीनता वगैरह-वगैरह। सवाल है, ऐसी स्थिति में क्या किया जाए? हमें समझना होगा कि जब तक हम कल्पनाशील नहीं होंगे, बोरियत को दूर करने की चेष्टा नहीं करेंगे, तब तक बोरियत हमें अपने चंगुल में जकड़े रखेगी। बोरियत होने के दौरान हमें कोई भी चीज अच्छी नहीं लगती। दूसरे शब्दों में हम कह सकते हैं कि बोरियत एक किस्म का डिप्रेशन है। इसलिए जैसे ही आप बोरियत महसूस करें तुरंत समझ जाएं कि आपके साथ कुछ गड़बड़ है।

बोरियत का मतलब: आमतौर पर बोरियत एक जैसी स्थिति से होती है। एक ही तरह के खाने से, एक ही तरह के कपड़ों से, एक ही तरह के काम से, एक ही जगह रहने से, एक जैसी बातों से और एक जैसे रिश्तों से। कुल मिलाकर बोरियत की तह में है एकरसता। अतः जीवन में एकरसता से बचना चाहिए।

क्यों होती है बोरियत: यह कोई बंधा-बंधाया नियम नहीं है कि बोरियत वही महसूस करेगा, जो शादी-शुदा हो। आजकल काम-काजी जीवन से जूझ रही युवा लोग भी बोरियत के चंगुल में बहुत जल्दी आ जाते हैं। वे चाहते हुए भी इससे दूर नहीं हो पाते। इसका सीधा सा जवाब यह है कि उनके पास सोशल होने का समय नहीं होता है। दोस्तों से झगड़ने का समय नहीं है। अपनों से बात करने का समय नहीं है। पार्टी करने का समय नहीं है। समय के अभाव के चलते बोरियत हमारी जिंदगी में गहरे तक घर कर गई है। बोरियत बड़े पैमाने पर प्रेमियों के संबंधों में देखने को मिलती है। हैरानी की बात यह है मौजूदा समय में बोरियत ने सबसे ज्यादा युवा कपल को ही घेरे रखा है, क्योंकि उनके पास एक-दूसरे के लिए समय नहीं है। इस तरह उनके जीवन में एकरसता बहुत आसानी से आ जाती है। वे ऊब से भर जाते हैं।

ऐसे करें बोरियत दूर: पुरुषों को यह समझना चाहिए कि आमतौर पर हर महिला की जिंदगी में उसका प्यार सबसे ज्यादा मायने रखता है। चाहे उसके पास करने को बहुत कुछ हो, चाहे उसके पास सोचने को बहुत कुछ हो, बावजूद इसके उनके जीवन में अपना पार्टनर सबसे खास होता है। लेकिन जैसे ही उसे महसूस होने लगे कि उसका पार्टनर काम के दबाव के चलते उसे नजरंदाज कर रहा है तो वह गहरे तक अवसादग्रस्त हो जाती है। वे मनोवैज्ञानिक तौर पर बुरी तरह आहत हो जाती हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं कि मन ही मन कुढ़ना स्वास्थ्य पर बुरा असर डालता है। इसलिए पुरुषों को चाहिए कि वे अपनी पार्टनर को समय दें और अपने जीवन से बोरियत दूर रखें।

इन पर भी करें अमल: कपल्स के लिए यह भी जरूरी है कि हमेशा रोमांटिक बने रहें। चाहे स्थितियां कैसी भी क्यों न हो, अपने पार्टनर का सम्मान करें और उसे अपना पूरा समय दें। खासतौर पर पुरुषों को चाहिए कि वे अपनी पार्टनर को जरा भी नजरंदाज न करें। बोरियत से बचने के लिए हमेशा खुद में नए-नए बदलाव करते रहें। कभी-कभी घर को भी नया लुक देकर बोरियत से दूर हुआ जा सकता है। लड़कियों के लिए खुद को सजाना हमेशा दिलचस्पी भरा होता है। बोरियत घेर रही हो तो खुद को संवारें। यही नहीं रोमांसपूर्ण आकर्षण बनाए रखने के लिए कोशिश करें कि वही ड्रेस पहनें जो एक-दूसरे को अच्छे लगें। अचानक का स्पर्श भी आकर्षण बढ़ाता है, इसलिए मौका बे मौका एक-दूसरे को चुपके से छुएं जब दूसरा किसी और काम में खोया हो। इस तरह से दोनों के बीच लगाव बना रहेगा, जो बोरियत से दूर रखती है। जो लोग सिंगल है, वे अपने दोस्तों के साथ आउटिंग और हैंगआउट कर सकते हैं। बोर शब्द बेहद सामान्य प्रतीत होता है और लगता है कि कुछ घंटों में ही हम सामान्य हो जाएंगे। लेकिन ऐसा नहीं हो पाता, क्योंकि बोरियत दीमक की तरह है जो धीरे-धीरे अंदर की जीवंतता को निचोड़ लेती है। इसलिए अपने आस-पास के माहौल में भी निरंतर तब्दीलियां करें और रिश्तों में हमेशा गर्मजोशी बनाए रखें। *

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

शोधपरक-संग्रहणीय पुस्तक

हिंदी पत्रकारिता के इतिहास का विधिवत विवरण वर्ष 1826 से मिलता है, जब 'उदंत मार्तंड' साप्ताहिक समाचार पत्र के माध्यम से जुगल किशोर शुक्ल ने इसकी शुरुआत की। इसके लगभग 50-55 वर्ष के बाद ही वर्ष 1882 में हिंदी बाल पत्रकारिता की भी नींव पड़ी। उसके बाद से लेकर इक्कीसवीं सदी के तीसरे दशक तक पहुंचने की अपनी यात्रा में बाल पत्रकारिता, किन-किन सोपानों से होकर गुजरी, किन विभूतियों ने बाल पत्रकारिता को दिशा देने में महत्वपूर्ण योगदान दिया और किन प्रमुख बाल पत्रिकाओं ने बाल पाठकों को आकृष्ट करने में महती भूमिका निभाई, इन तमाम पक्षों पर विस्तार से और पूरी प्रामाणिकता के साथ ब्योरा प्रस्तुत करती है, कुछ समय पूर्व छपकर आई पुस्तक-हिंदी बाल पत्रकारिता का इतिहास। इसे सुप्रसिद्ध बाल साहित्यकार डॉ. सुरेंद्र विक्रम ने लिखा है। इस किताब को कुल पांच अध्यायों में बांटा गया है। पहले अध्याय में वर्ष 1882 से 1947 तक, दूसरे अध्याय में 1948 से 1960 तक, तीसरे अध्याय में 1961 से 2000 तक, चौथे अध्याय में 2001 से अब तक की बाल पत्रकारिता पर विहंगम दृष्टि डाली गई है। पांचवें अध्याय में हस्तलिखित बाल पत्रिकाओं का दुर्लभ विवरण दिया गया है। परिशिष्ट में सौ से अधिक बाल पत्रिकाओं के मुख पृष्ठ का संकलन लेखक के समर्पण और अथक परिश्रम को सिद्ध करता है। कुल मिलाकर यह एक शोधपरक-संग्रहणीय किताब है। *

पुस्तक: हिंदी बाल पत्रकारिता का इतिहास, **लेखक:** डॉ. सुरेंद्र विक्रम, **मूल्य:** 600 रुपए, **प्रकाशक:** भावना प्रकाशन, दिल्ली

भूखे भजन न होय गोपाला

अब सब लोग गोला बनाकर खड़े हो गए और एक-दूसरे का सामान आपस में बांटने लगे। फिर सबने खाना शुरू किया। खाते-खाते बात करने लगे, 'आज खाने में बहुत मशक्कत हुई। इसे कह सकते हैं कि हम लोग मेहनत करके ही खाते हैं।'

{ व्यंग्य / रमेश सैनी }

रामलाल बहुत सहनशील सहिष्णु लंबी सोच वाले व्यक्ति हैं। उनकी सोच बहुत उदारवादी है। *जीना ऐसा ना कोई से दोस्ती ना काहू से बैर। जहां काम पड़े अपना, अपना लो भले हो गैर।* यह उनके जीवन का फलसफा है। वे रोज सुबह चाय-पान के बाद अखबार पढ़ते हैं। उसमें भी सबसे पहले सिटी पेज में साहित्यिक, धार्मिक, सामाजिक और राजनीतिक कार्यक्रमों की सूचना पढ़ते हैं। लंबे अनुभव ने उन्हें सिखा दिया है कि किस आयोजन में स्वरुचि भोजन की व्यवस्था है। अनेक बार यह संयोग हो जाता है कि एक ही दिन में दो-चार आयोजन स्वरुचि भोज वाले की संभावना होती है। तब यह कयास लगाते हैं कि सबसे अच्छा भोज कहां पर होगा? तब वे उस आयोजन में ठाठ-बाट के साथ सम्मिलित हो जाते हैं। वे साहित्यक, धार्मिक और राजनीतिक आयोजनों के हिसाब से ड्रेस का चयन करते हैं। रामलाल जी अभिनय कला में मास्टर हैं। जहां जैसी जरूरत पड़ी, वैसा अपने को ढाल लेते हैं।

वे कुछ दिन पहले एक साहित्यिक आयोजन में मिल गए। आजकल आयोजन में भी भीड़ जुटाने के लिए स्वरुचि भोज रख लेते हैं। ऐसे में आयोजक को लगता है कि काफी भीड़ जुटी है और आयोजन सफल हो गया है। आयोजक भी श्रोताओं की सहनशक्ति, धैर्य और विश्वास की परीक्षा लेते हैं, उन्हें लगता है अगर शुरुआत में ही भोज रख दिया तो लोग खाकर आयोजन से निकल लेंगे। इस वजह से कार्यक्रम के बाद भोज रखते हैं। पर आयोजक डार-डार और श्रोता पात-पात। कुछ लोग समूह बनाकर आयोजन को सफल बनाने में योगदान देते हैं। ऐसे समूह में जो चतुर-चालाक और समझदार किस्म के लोग होते हैं, उन्हें आयोजन में शुरुआत में भेज देते हैं। उन्हें अकल होती है कि आयोजन कब खत्म होगा उसका अनुमान लगा लेते हैं। फिर वे कार्यक्रम खत्म होने के आधा-पौन घंटा पहले फोन कर देते हैं। तब उनके लोग भोज प्रारंभ होने के पहले भोजन स्थल पर पहुंच जाते हैं। रामलाल जी इसी तरह वर्षों से आयोजन को सफल बनाने में अपना योगदान दे रहे हैं।

उस रोज भी आयोजन समाप्त होने पर, जैसे ही स्वरुचि भोज आरंभ हुआ वहां उपस्थित अधिकांश लोग हमलावर के रूप में भोजन के स्टॉल पर टूट पड़े। मैं भी भीड़ में लग गया और सबके साथ धक्के खाकर भोजन के स्टॉल तक पहुंच गया। फिर धक्के से आगे बढ़ा तो सलाद, अचार और पापड़ के पास पहुंचा। मेरे आगे खड़े सज्जन मेरी दयनीय स्थिति को देखकर द्रवित हो गए और टमाटर के आठ-दस टुकड़े, दस-बारह पापड़ के टुकड़े मेरी प्लेट में रख दिए। फिर उन्होंने मुट्ठी भर अचार के टुकड़े मेरी प्लेट पर पटक दिए। मैं वहीं रुककर उन्हें कातर निरीह नजरों से देखने लगा। पर भीड़ को मेरा इस तरह रुककर देखना पसंद नहीं आया और मुझे धक्का मार कर लाइन से अलग कर दिया। फिर मैंने अपनी नजरें चारों ओर दौड़ाईं, शायद कोई पहचान वाला मिल जाए। तब देखा रामलाल आगे बढ़ने की कोशिश कर रहे हैं। काफी कशमकश के बाद वे हार मान गए और लाइन से बाहर आ गए। मैंने दूर से उन्हें इशारा किया, यहां कैसे? मेरे पास आकर बोले, 'भाई साहब ने बुलाया था, तो मजबूरन आना पड़ा।' यह उनका तकिया कलाम है। मैंने देखा उनकी प्लेट में सिर्फ दाल ही दाल दिख रही थी। मैंने पूछा, 'यह क्या, सिर्फ दाल! किसी वैद्य ने कहा है?' इस पर मुस्कुरा कर बोले, 'सिर्फ दाल ही ले पाया। आगे बढ़ने से पहले ही भीड़ के धक्के ने इस शरीफ आदमी को समुद्र की लहर की भांति बाहर कर दिया।' यह कहकर वे एक किनारे खड़े हो चारों तरफ देखने लगे। उनकी नजर लाइन में लगे लोगों से टकराई। एक इशारा आया। उन्होंने संकेत भाषा में उत्तर दिया। तब वह आदमी दो कदम आगे बढ़ा। चार-छः कटोरी प्लेट में रखी और उनमें रायता भरकर बाहर आ गया। मुझे आश्चर्य हुआ। एक ही जगह से बाहर कैसे आ गया? उस आदमी ने आगे खड़े दो-तीन लोगों को संकेत किया। उन्होंने भी संकेत में अपना अभिप्राय बताया, फिर वे लोग एक-एक कर बाहर आकर खड़े हो गए। मैंने देखा एक की कटोरियों में पनीर की सब्जी भरी है और साथ में दस-पंद्रह रोटियां। दूसरे की कटोरियों में रसगुल्ले ही भरे पड़े हैं और तीसरे की प्लेट में चावल या उसे पुलाव कहा जाए पूरी तरह लबालब भरा हुआ है। चौथे आदमी की प्लेट में आठ-दस कटोरियों में खीर थीं। अब सब लोग गोला बनाकर खड़े हो गए और एक-दूसरे का सामान आपस में बांटने लगे। फिर सबने खाना शुरू किया। खाते-खाते बात करने लगे, 'आज खाने में बहुत मशक्कत हुई। इसे कह सकते हैं कि हम लोग मेहनत करके ही खाते हैं।' मैं भी उनके साथ खड़ा था। उन्होंने मुझ पर दया कर कुछ चीजें मेरी प्लेट में रख दीं।

अब सबके साथ मैं भी खाने लगा पर धीरे-धीरे। तब उनमें से एक ने कहा, 'भाई साहब, संकोच मत करिए, दिल खोलकर खाइए। हम मेहनत का खा रहे हैं। आप तो निश्चिंत होकर खाएं। इस सुरुचि भोज को हम लोग सहभागी भोज बनाकर एक पिकनिक सा आनंद लेते हैं।' तब मैंने उनसे कहा, 'आज का कार्यक्रम बहुत अच्छा रहा।' उनमें से दूसरा बोला, 'कार्यक्रम! हमें तो समझ में नहीं आया, हमारा पूरा ध्यान कार्यक्रम के बाद भोज में ही रहा। भोजन अच्छा, तो कार्यक्रम अच्छा। अन्यथा सब बेकार है। आखिर हम लोग खाना खाने के लिए ही तो जीते हैं और जीने के लिए ही खाते हैं। हमारे यहां कहावत है-भूखे भजन न होय गोपाला।' यह कह वे चुप होकर मुझे देखने लगे और मैं उन्हें। *

अनोखा शहर
शिखर चंद जैन

बहुत अजब-अनूठा है आइस सिटी हार्बिन

भारत के पड़ोसी मुल्क चीन का शहर हार्बिन अपने आप में कई सारी खूबियां समेटे हुए है। 'आइस सिटी' यानी 'बर्फ का शहर' नाम से मशहूर यह शहर अपने ठंडे-बर्फीले वातावरण के साथ-साथ यहां के दर्शनीय स्थलों और विभिन्न आयोजनों की वजह से दुनिया भर में मशहूर है।

कभी-कभी आपके मन में ख्याल आता होगा कि कितना अच्छा हो कि इस चिलचिलाती धूप और झुलसा देने वाली गर्मी से बचने के लिए हम किसी बर्फ के शहर में पहुंच जाएं। यह सिर्फ किस्सों-ख्यालों की बात नहीं है। दुनिया में वास्तव में मौजूद है एक ऐसा ठिकाना जो कहलाता है, बर्फ का शहर। जी हां, हम बात कर रहे हैं चीन में बसे अनूठे शहर हार्बिन की।

हार्बिन का इतिहास: इस अनूठे शहर की स्थापना रूस द्वारा एक बस्ती के रूप में की गई थी। इसका निर्माण व्लादिवोस्तोक और रूसी पोर्ट आर्थर (अब डालियान) के बीच रेलवे

(1896-1904 में निर्मित) को सपोर्ट देने के लिए किया गया था। यह कभी सोंगहुआ नदी पर स्थित एक साधारण गांव था, जहां के वाशिंदों की आजीविका का मुख्य साधन मछली पकड़ना था। बाद में बड़ी संख्या में रूसी और यूरोपीय प्रवासी हार्बिन में आए, जिससे शहर में विदेशी संस्कृति और स्वाद आया। ये लोग अपने साथ अपनी यूरोपीय परंपराएं और मान्यताएं भी लेकर आए। इन्हीं सब कारणों से हार्बिन का रंग-ढंग और यहां की संस्कृति बदली।

मिली-जुली संस्कृति: 'आइस सिटी' यानी 'बर्फ का शहर' के नाम से मशहूर हार्बिन, चीन के हेइलोंगजियांग प्रांत की राजधानी है। यहां की संस्कृति, वास्तुकला और जीवनशैली रूस, जापान समेत यूरोप और एशिया के कई देशों से प्रभावित है। हार्बिन पर्यटन की दृष्टि से दुनिया के लोकप्रिय स्थलों में से एक है। वास्तुकला के उत्कृष्ट नमूने जैसे- पुराना क्वार्टर, सेंट सोफिया कैथेड्रल, सेंट्रल एवेन्यू (पैदल यात्री सड़क), स्टालिन पार्क आदि यहां के खास आकर्षण हैं।

इस वजह से रहता है ठंडा: आप सोच रहे होंगे कि हार्बिन का मौसम इतना बर्फीला, इतना ठंडा क्यों है? दरअसल, साइबेरिया और मंगोलियाई पठार से ठंडी हवा पूर्व और दक्षिण की ओर यानी सीधे हार्बिन के ऊपर से बहती हैं, जिससे हार्बिन एक 'बर्फीला शहर' बन जाता है। इसके अलावा, हार्बिन एक तटीय शहर नहीं है। यह जापान सागर से 500 किमी से अधिक दूर है, इसलिए प्रशांत महासागर की गर्म धाराओं से कम ही प्रभावित होता है। इसलिए हार्बिन पश्चिमी यूरोप और जापान के शहरों की तुलना में अधिक ठंडा होता है। हार्बिन में सबसे ठंडा महीना जनवरी होता है, जब यहां का तापमान औसतन माइनस 18 डिग्री सेल्सियस (0 डिग्री फारेनहाइट) होता है।

हार्बिन आइस एंड स्नो वर्ल्ड: यहां का सबसे लोकप्रिय स्थान हार्बिन आइस एंड स्नो वर्ल्ड है, जो एक जमे हुए डिजनीलैंड की तरह दिखता है। इसमें आप बर्फ के महल, कार्टून, मूर्तियां देख सकते हैं और बर्फ के खेल और गतिविधियों की विविधता का आनंद ले सकते हैं। हार्बिन का आइस पार्क लगभग 8,10,000 वर्ग मीटर में फैला है, जो असंख्य मानव-निर्मित बर्फ की मूर्तियों, महलों एवं अन्य आकृतियों से सुसज्जित है। सूर्यास्त के बाद कृत्रिम रोशनी से जगमगाती ये मूर्तियां और आकृतियां पारंपरिक चीनी शैली की इमारतों से लेकर आकर्षक परीकथा महल और बीजिंग के स्वर्ग के मंदिर की याद दिलाती हैं। इसे सोंगहुआ नदी की लगभग 250,000 घन मीटर बर्फ से तैयार किया गया है। यहां दुनिया के सबसे बड़े बर्फ महोत्सव का आयोजन किया जाता है।

अनोखा है बर्फ महोत्सव: हार्बिन अंतरराष्ट्रीय बर्फ और बर्फ मूर्तिकला महोत्सव यहां आने वाले पर्यटकों को विशेष रूप से आकर्षित करता है। यहां 300 फुटबॉल मैदानों के बराबर क्षेत्रफल में एक 'आइस सिटी' बनाई जाती है, जिसमें लगभग 500 मिलियन डॉलर की लागत आती है। इस बर्फीले परिदृश्य के बीच, पर्यटक स्कीईंग के साथ-साथ बर्फ पर बाइकिंग का भी आनंद ले सकते हैं। बर्फ महोत्सव के दौरान यहां का तापमान माइनस 35 डिग्री सेल्सियस तक गिर सकता है। हार्बिन का बर्फ महोत्सव पर्यटकों और फोटोग्राफरों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र है।

अन्य गतिविधियां: बर्फ महोत्सव में पर्यटक पांच अलग-अलग थीम पार्कों का भ्रमण कर सकते हैं। ये थीम पार्क हैं- सन आइलैंड इंटरनेशनल स्नो स्कल्पचर आर्ट एक्सपो, हार्बिन आइस एंड स्नो वर्ल्ड, हार्बिन वांडा आइस लैंटर्न वर्ल्ड, झाओलिन पार्क आइस लैंटर्न आर्ट फेयर और सोंगहुआ रिवर आइस एंड स्नो कार्निवल। सन आइलैंड इंटरनेशनल स्नो स्कल्पचर आर्ट एक्सपो में दुनिया भर के कलाकारों द्वारा बनाई गई विशाल बर्फ की मूर्तियां प्रदर्शित की जाती हैं। हार्बिन वांडा आइस लैंटर्न वर्ल्ड और झाओलिन पार्क आइस लैंटर्न आर्ट फेयर में आकर्षक आइस लैंटर्न प्रदर्शन किए जाते हैं। हार्बिन वांडा आइस लैंटर्न वर्ल्ड में एक हजार से अधिक रोशन लालटेन और सैकड़ों मूर्तियां प्रदर्शित की जाती हैं, जिनमें स्थानीय लोगों और कॉलेज के छात्रों द्वारा जटिल नक्काशीदार आर्ट्स शामिल हैं। झाओलिन पार्क, जहां आइस लैंटर्न शो और गार्डन पार्टी का आयोजन किया जाता है, शाम को रंगीन लालटेन से आगंतुकों को चकाचौंध कर देता है, साथ ही यहां लाइव बर्फ-नक्काशी प्रतियोगिताएं भी होती हैं। रोमांच पसंद करने वालों के लिए, बर्फ की चट्टान पर चढ़ना, बर्फ पर तीरंदाजी, बर्फ पर गोल्फ और स्नोबॉल की लड़ाई जैसी गतिविधियां भी यहां होती हैं। हार्बिन आइस एंड स्नो वर्ल्ड, इस आयोजन का सबसे जीवंत स्थल है, जहां स्केटिंग, स्कीइंग, बर्फ की भूल-भुलैया और बर्फ पर बाइकिंग की सुविधा भी है। रोमांच चाहने वाले सुपर स्लाइड पर रोमांचक सवारी का आनंद ले सकते हैं, जिनमें से कुछ 1,000 फीट तक ऊंचे हैं। *

मिला संगीत शहर का खिताब

हार्बिन में संगीत की ऐतिहासिक एवं समृद्ध परंपरा रही है। यहां संगीत को बढ़ावा देने के लिए समय-समय पर संगीत के विविध आयोजन किए जाते हैं। साल 2010 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा इसे संगीत का शहर घोषित किया गया था।

प्रमुख रेलवे केंद्र

हार्बिन पूर्वोत्तर चीन का प्रमुख उत्तरी रेलवे केंद्र है। साथ ही यह चीन और पूर्वोत्तर एशिया को जोड़ने वाला एक महत्वपूर्ण रेलवे केंद्र है। चीन के पूर्वी रेलवे के निर्माण के क्रम में हार्बिन का विकास हुआ, इसलिए चीनी कहते हैं कि हार्बिन 'ट्रेनों द्वारा परिवहन किया जाने वाला शहर' है।

सेल्फ ग्रोथ के लिए अच्छी नहीं दूसरों में कमी खोजने की आदत

कुछ लोग हमेशा दूसरों में कमियां खोजते रहते हैं। इससे वे स्वयं में जरूरी बदलाव नहीं कर पाते हैं। इस बैड हैबिट के क्या नुकसान हो सकते हैं और इससे बचने के लिए क्या करना चाहिए, बहुत उपयोगी सलाह।

मोटिवेशन
शिखर चंद जैन

एक कहावत है कि अगर आपको हर किसी में खोट और कमी नजर आती है तो कमी दूसरों में नहीं बल्कि आप में है। इसका मतलब यह है कि आप ऐसे लोगों में से एक हैं, जिन्हें चांद में दाग दिखता है लेकिन उसका धवल प्रकाश, शीतल चांदनी और लुभावना आकार नजर नहीं आता। आपको गुलाब में कांटे दिखते हैं, लेकिन उसकी मनभावन खुशबू को आप महसूस नहीं कर पाते। इसके विपरीत जब आप दूसरों की विशेषताएं उनकी सफलता, समृद्धि और अच्छी आदतों को देखना और जज्ब करना सीख जाते हैं तो आप खुद की प्रगति का मार्ग प्रशस्त करने लगते हैं। आप आगे बढ़ना चाहते हैं तो दूसरों की अच्छाइयों को अपनाएं और अपनी कमियों को पहचान कर उन्हें दूर करें।

कोसना बंद करें: कुछ कारणों से अगर आप वांछित तरक्की नहीं कर पाए हैं या अपने लक्ष्य हासिल नहीं कर पाए हैं तो इसके लिए दूसरों को दोष देना या अपनी तकदीर को कोसना बंद करें। हर सुबह एक नई ऊर्जा, स्वप्रेरणा और फोकस के साथ उठें और अपनी तरक्की के लिए स्वयं सचेष्ट होने का प्रण लें। नकारात्मक विचारों को मन से निकाल फेकें और दूसरों को नियंत्रित करने के ख्याल मन में लाने की बजाय अपने क्रिया-कलाप को नियंत्रित करें ताकि आप सही दिशा में कार्यशील रहें।

नजरिया रखता है मायने: हमारा दिमाग चीजों को कैसे देखता है उस पर भी हमारे जीवन का बेहतर होना निर्भर करता है। मैसाचूसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में कॉग्निटिव न्यूरोसाइंस की प्रोफेसर टेलीशेरोट कहती हैं कि जिंदगी को बेहतर बनाने के प्रयासों के साथ-साथ हमें इसे बेहतर तरीके से देखना भी सीखना होगा। इसके लिए हमें अपने आस-पास मौजूद हमारे घर में उपलब्ध उन चीजों और लोगों का महत्व समझना होगा, जो न होतीं तो हमारा जीवन कैसा होता? फिर इस बात पर गौर करना होगा कि कौन से छोटे-छोटे बदलाव हमें बेहतर बना सकते हैं?

एवरेज मानसिकता से उबरें: अगर आपको आगे बढ़ना है और उन चंद लोगों की सूची में खुद को देखना है, जो आमजन से अलग और ऊपर हैं तो आपको 95 फीसदी लोगों की नहीं सफलतम 5 फीसदी लोगों की आदतों को अपनाना होगा। जाने-माने मोटिवेशनल लेखक रॉबिन शर्मा ने अपनी पुस्तक 'द 5 एएम क्लब' में लिखा है कि अपने दिन की शुरुआत एक लक्ष्य और ऊर्जा के साथ करें। केवल मानसिकता और आशावाद पर ही निर्भर ना रहें। इन सबके साथ-साथ संतुलन पर भी ध्यान दें। अपने स्वास्थ्य, मन और आत्मा पर भी ध्यान दें और उनकी ताकत का इस्तेमाल करें।

इस प्रवृत्ति से स्वयं को रोकें: विशेषज्ञ कहते हैं कि हम अपने आस-पास के लोगों की बेकार में ही कमियां ढूंढते रहते हैं, जबकि उनसे हमारा कोई लेना-देना नहीं होता। इसके लिए आपको सतर्क रहना होगा। खासकर तब जब आप किसी के रूप, रंग और व्यवहार को लेकर नकारात्मक धारणाएं बना रहे होते हैं। मनोचिकित्सक कहते हैं कि जब आप किसी की आलोचना करें या कमियां निकालें तो सबसे पहले खुद का आकलन करें।

इस आदत के नुकसान: हमेशा दूसरों में कमियां ढूंढने से आपकी सहानुभूति और समानुभूति से जुड़ी समझ और भावनाएं धुंधली पड़ सकती हैं। नए दृष्टिकोण के प्रति आपकी ग्रहणशीलता कम हो जाती है। आप यह सोच ही नहीं पाते कि आपसे अलग भी कोई सोच सही और उपयोगी हो सकती है। आप हमेशा तुरंत प्रतिक्रिया करने की ओर अधिक प्रवृत्त हो सकते हैं। आपको लगने लगता है कि आप किसी की जितनी ज्यादा कमियां ढूंढेंगे आपको उतना ही ज्यादा बेहतर महसूस होगा। इससे आपकी सोच प्रभावित होगी और ग्रोथ प्रभावित होगी। *

लोगों को जज ना करें

अकसर व्यवहारगत कारण हमारी तरक्की की राह में रुकावट बनते हैं। सफल लोगों की कुछ खास आदतें विनम्रता, परोपकार और मिलनसारिता उन्हें आगे ले जाती हैं। 'व्हाट गॉट यू हियर वॉन्ट गेट यू देयर' के लेखक मार्शल गोल्डस्मिथ कहते हैं कि सफल लोगों के विचार ठोस होते हैं और उन्होंने अपने लिए ऊंचे मानक तय किए होते हैं। इसलिए अपनी आदतों के प्रति सजग रहें। लोगों को थैंक यू बोलना सीखें और सुनने की कला विकसित करें।

रोचक / अपराजिता

समय की सटीक गणना करना हमें जितना आसान लगता है, उतना होता नहीं है। इसमें कई फैक्टर्स काम करते हैं। समय की सटीक गणना करने की प्रक्रिया कब कैसे शुरू हुई, जानिए।

आज भी आसान नहीं है समय की सटीक गणना

अगर आपने कभी समय की सटीक सूक्ष्मता पर गंभीरता से नहीं सोचा तो एक मायने में कहना होगा कि आप समझदार और व्यावहारिक व्यक्ति हैं, क्योंकि भले आम आदमी के लिए आज टाइम या समय जानना बेहद आसान हो। हम मोबाइल से लेकर लैपटॉप तक कहीं भी एक नजर डालकर पलक झपकते समय जान लेते हों। लेकिन अगर आप समय को भौतिक विज्ञान की नजर से समझने में रुचि रखते हैं तो समझ लीजिए आपके लिए सही समय जानना, वाकई रॉकेट साइंस जैसा जटिल हो जाएगा। जी हां, तकनीक के इस अतिविकसित काल में भी सही समय जानना और लगातार सही समय के साथ संपर्क में रहना कितना जटिल है, इसे वही लोग जानते हैं, जिन्हें हम टाइम कीपर कहते हैं।

इसलिए होता है कठिन: सटीक समय जानना इसलिए कठिन होता है क्योंकि समय की सटीकता केवल घड़ी देखने तक सीमित नहीं होती है, बल्कि यह वैश्विक संचार, नेविगेशन, वित्तीय लेन-देन और वैज्ञानिक अनुसंधानों से गहराई से जुड़ी हुई स्थिति है। टाइमकीपर्स के लिए यह एक बड़ी चुनौती इसलिए होती है, क्योंकि समय का प्रवाह पूर्णतः स्थिर नहीं होता। सापेक्षता के सिद्धांत के अनुसार, गुरुत्वाकर्षण और गति का प्रभाव भी समय को थोड़ा बहुत प्रभावित करता है। उदाहरण के लिए, पृथ्वी की सतह की तुलना में उपग्रहों पर लगी घड़ियां थोड़ा अलग गति से चलती हैं। साथ ही पृथ्वी की घूर्णन गति में छोटे-छोटे परिवर्तन होते हैं, जिससे कभी-कभी 'लीप सेकेंड' जोड़ना पड़ता है। दुनिया भर को हर पल सही समय के साथ रखने के लिए परमाणु घड़ियों के नेटवर्क को सिंक करना जरूरी होता है, क्योंकि जीपीएस, इंटरनेट, बैंकिंग सिस्टम और टेलीकॉम नेटवर्क इसी सटीक वैश्विक समय पर निर्भर करते हैं। इस सबके लिए माइक्रोसेकेंड (1 सेकेंड का दस लाखवां भाग) के स्तर की सटीकता चाहिए होती है, जो बनाए रखना किसी भी क्षण आसान नहीं होता है।

इसलिए सटीकता है जरूरी: आज के दौर में समय की सटीकता का रिश्ता, साइबर सुरक्षा से भी जुड़ गया है। आधुनिक समय-संकेतों को साइबर हमले से सुरक्षित रखना जरूरी है। यदि किसी देश का टाइम-सिग्नल हैक हो जाए, तो बैंकिंग, इंटरनेट और सैन्य सिस्टम प्रभावित हो सकते हैं। समय को सटीकता के पैमाने पर खरा बनाए रखने के लिए भिन्न समय मानकों के साथ सौ फीसदी सटीक तालमेल जरूरी होता है। आज इंसान को हर पल जो यह सटीक समय जानने की सुविधा है, वह कई शताब्दियों के वैज्ञानिक प्रयासों का नतीजा है। लेकिन इसे बनाए रखना लगातार जटिल होता जा रहा है, खासकर जब माइक्रोसेकेंड और नैनोसेकेंड की सटीकता की जरूरत बढ़ती जा रही हो। *

सही समय जानने की यात्रा

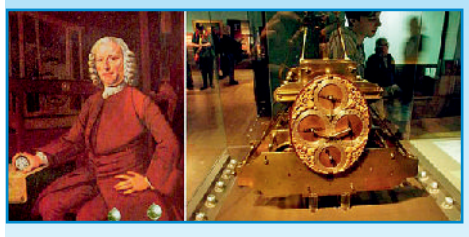

इंसान को सटीक समय जानने की सुविधा कब और कैसे मिली? इस सवाल का जवाब है, प्राचीन काल में कई प्रयोगों के बाद यह सौगात हासिल हुई है। पहले सूर्यघड़ी और जलघड़ी जैसी तकनीकों से समय मापा जाता था, लेकिन ये मौसम और भौगोलिक स्थितियों पर निर्भर हुआ करती थी। इसके बाद आया यांत्रिक घड़ियों का युग (13वीं-14वीं सदी)। सबसे पहले यूरोप में यांत्रिक घड़ियां बनीं, लेकिन इनमें लाख कोशिशों के बावजूद कुछ मिनटों का फर्क रह जाता था। इन्हीं दिनों यानी अठारहवीं शताब्दी में समुद्री यात्रा में सटीक समय जानना अनिवार्य हो गया, क्योंकि तभी समुद्री जहाज अपनी सही स्थिति जान सकते थे। इस सिलसिले में सन 1761 में जॉन हैरिसन ने पहला समुद्री क्रोनोमीटर बनाया, जिससे सटीक समय मापना संभव हुआ।

समय का पहिया आगे बढ़ा फिर 19वीं सदी में रेलवे और टेलीग्राफ का युग आया। आगे चलकर ट्रेनों के समय समन्वय के लिए भी सटीक समय जानना जरूरी हो गया। सन 1884 में पहली बार वैश्विक समय-क्षेत्र यानी टाइम जोन बनाए गए। साथ ही इसी दौर में टेलीग्राफ नेटवर्क ने एक घड़ी को दूसरी से जोड़कर सही समय पहुंचाने में मदद की। सही समय जानने का अगला तरीका था परमाणु घड़ी। बीसवीं सदी का यह समय सचमुच अल्ट्रा-सटीक समय था। सन 1949 में पहली परमाणु घड़ी बनी, जिसने

माइक्रोसेकेंड स्तर की सटीकता दी। इससे भी आगे 1967 में सेसियम परमाणु घड़ी के आधार पर सेकेंड को परिभाषित किया गया। भला तब कौन जानता था कि आने वाले दिनों में जीपीएस और इंटरनेट आने वाला है, जिसके लिए टाइम की नैनो सेकेंड तक की सटीकता की दरकार होगी। आज जीपीएस सैटेलाइट्स परमाणु घड़ियों का उपयोग करके हमें सटीक समय देते हैं। आज इंटरनेट टाइम प्रोटोकॉल से दुनिया भर के कंप्यूटर और स्मार्टफोन सही समय सिंक कर पाते हैं।

जंतु-जगत
रजनी अरोड़ा

विलुप्ति की कगार पर हैं ये जंतु प्रजातियां

दुनिया में कई जीव-जंतु की प्रजातियां विलुप्ति के कगार पर हैं। इनकी संख्या दिन-ब-दिन कम होती जा रही है। विलुप्ति के कगार पर पहुंच चुके ऐसे ही कुछ संकटग्रस्त पशु-पक्षियों के बारे में आपको जरूर जानना चाहिए।

हॉक्सबिल टर्टल

इस समुद्री कछुए का शिकार इसके खूबसूरत कवच के लिए किया जाता है। समुद्री प्रदूषण और आवास विनाश भी इसके लिए खतरा है। दुनिया में इनकी अनुमानित संख्या 8,000-10,000 है।

वैज्ञानिकों का अनुमान है कि पृथ्वी पर जीव-जंतुओं, पशु-पक्षियों की ज्ञात प्रजातियों की संख्या लगभग तेरह लाख है, जिनमें से हम तकरीबन 14 प्रतिशत के बारे में ही जानते हैं। लेकिन अब एक लाख से अधिक प्रजातियों पर लुप्त होने का खतरा मंडरा रहा है। मानव की बढ़ती जरूरतों की खातिर जंगलों की अंधाधुंध कटाई, जीव-जंतुओं के प्राकृतिक आवास का अतिक्रमण, उनका अवैध शिकार और उनके विभिन्न अंगों की तस्करी या व्यापार, प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन... ऐसी अनेक वजहों से कई जीव-जंतुओं की अनेक प्रजातियां गंभीर रूप से संकटग्रस्त हैं। इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर (आईयूसीएन) की रेड लिस्ट, डब्ल्यूडब्ल्यूएफ और अन्य जैव संरक्षण संगठनों के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार दुनिया में जीव-जंतुओं की एक लाख से अधिक प्रजातियां संकट में हैं, जिनमें से कुछ इस प्रकार हैं-

अमूर तेंदुआ: यह दुनिया का सबसे दुर्लभ तेंदुआ प्रजाति है, जो रूस और चीन के सीमावर्ती जंगलों में पाए जाते हैं। इनकी कुल संख्या केवल 100 के आस-पास बची है। इसके सुंदर धब्बेदार फर के लिए इसका शिकार किया जाता है। इसके अलावा जंगलों की कटाई और इनब्रीडिंग की वजह से भी इसका अस्तित्व संकट में है।

सुमात्रन गैंडा: यह दुनिया का सबसे छोटा और दो सींग वाला गैंडा है, जो अब केवल

इंडोनेशिया के कुछ इलाकों व सुमात्रा द्वीप में बचे हैं। इनके भी लगभग 80 सदस्य ही बचे हैं। शिकार और आबादी का विखंडन इसके लिए मुख्य खतरे हैं।

बोर्नियन-सुमात्रन ओरंग उटान: ये एशिया के वर्षावनों में पाए जाते हैं। जंगलों की कटाई (खासकर पाम ऑयल के लिए), शिकार और आगजनी की वजह से इनकी संख्या तेजी से घट रही है। इंडोनेशिया के सुमात्रा में लगभग 14,000 ओरंग उटान बचे हैं।

क्रॉस रिवर गोरिल्ला: यह अफ्रीका के कुछ जंगलों में पाया जाता है। ये अब मात्र 250-300 की संख्या में बचे हैं। आवास विनाश और शिकार की वजह से इनका अस्तित्व खतरे में है।

व्हेल शार्क: दुनिया का सबसे बड़ा स्तनपायी जंतु व्हेल शार्क, शिकार और समुद्री प्रदूषण के कारण संकट में है। दुनिया

में इनकी अनुमानित संख्या 10,000-20,000 के बीच है।

पैंगोलिन: एशिया और अफ्रीका में मिलने वाला यह स्केलयुक्त स्तनपायी दुनिया में सबसे ज्यादा तस्करी किया जाता है। ऊंचे दामों पर बिकने वाले इनके स्केल पाने की वजह से इनका शिकार किया जाता है, जिससे इनके विलुप्त होने का खतरा बढ़ गया है।

अनुमान है कि पिछले दशक 10 लाख से ज्यादा पैंगोलिन तस्करी के शिकार हुए।

गंगा डॉल्फिन: भारत और पड़ोसी देशों की नदियों में पाई जाने वाली यह डॉल्फिन जल प्रदूषण, बांध और शिकार के कारण संकटग्रस्त है। भारत, नेपाल, बांग्लादेश की नदियों में 3,500-4,000 डॉल्फिन रह गई हैं।

ग्रेट इंडियन बस्टर्ड: यह विशाल पक्षी राजस्थान और गुजरात के शुष्क क्षेत्रों में पाया जाता है। इसकी संख्या अब 150 से भी कम रह गई है। यह भारत के सबसे संकटग्रस्त पक्षियों में गिना जाता है। बिजली के तारों से टकराना और अवैध शिकार इसके प्रमुख खतरे हैं। *

बंगाल टाइगर

भारत का राष्ट्रीय पशु बंगाल टाइगर, विश्व की सबसे प्रतिष्ठित बड़ी बिल्ली प्रजातियों में से एक है। यह मुख्य रूप से संरक्षित क्षेत्रों जैसे सुंदरबन, काजीरंगा, बांधवगढ़, रणथंभौर और कॉर्बेट में पाया जाता है। 20वीं सदी के मध्य तक इसकी संख्या बहुत तेजी से गिर गई थी। आज इनकी संख्या तकरीबन 4 हजार रह गई है। इनकी घटती संख्या का कारण है, खाल के लिए इनका शिकार किया जाना।